दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दोपहर इन्फोग्राफ

2023 में पश्चिमी रेलवे लाइन पर छेड़छाड़ के 31 मामले दर्ज किए गए थे। 2022 में इन मामलों की संख्या 42 थी। हालांकि, 2023 में किसी बलात्कार की सूचना नहीं मिली। लेकिन 2022 में महिला यात्रियों के साथ बलात्कार की दो घटनाएं सामने आई थीं। सेंट्रल और हार्बर लाइन पर 2023 में 44 छेड़छाड़ के मामले दर्ज किए गए। 2022 में 45 मामले सामने आए। जनवरी और फरवरी 2024 में 11 मामले सामने आए हैं।

मुंबई लोकल में असुरक्षित महिलाएं

रात 11 बजे के बाद महिला यात्रियों को लगता है डर

जीआरपी के सर्वे में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई की लोकल ट्रेनें सिर्फ परिवहन के एक साधन से कहीं अधिक हैं। लाखों लोग, जो दैनिक यात्रा करते हैं, उनके लिए लोकल ट्रेन उनके जीवन का अभिन्न अंग है। लेकिन लोकल ट्रेनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अभी भी कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। ऐसा हम नहीं बल्कि जीआरपी के सर्वे कह रहे हैं।

ऑनलाइन मीडियम से किया गया यह सर्वे

रेलवे पुलिस महासंचालक कार्यालय की ओर से महिलाओं की समस्या, शिकायतों और अनुभव को जानने के लिए एक सर्वे किया गया था। इस सर्वे में करीब 3 हजार महिला यात्रियों ने भाग लिया। 1 मार्च से 31 मार्च तक ऑनलाइन मीडियम से यह सर्वे किया गया जिसमें 21 सवाल महिला यात्रियों से पूछे गए।

क्या है सर्वे में महिलाओं के जवाब?

जीआरपी ऑफिस की ओर से किए गए सर्वे में 40% महिलाओं ने बताया कि रात में 11 बजे के बाद उन्हें लोकल ट्रेनों में यात्रा करने से डर लगता है। 28% महिलाओं ने रात में 10 बजे के बाद यात्रा के दौरान सुरक्षा की मांग की है। सर्वे में सबसे बड़ी बात जो निकलकर आई है कि केवल 29% महिलाएं हीं अपराध होने के बाद उसकी शिकायत दर्ज कराती हैं। 64% महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने में ही डर लगता है, जबकि 12% महिलाएं लैंगिक अपराध होने के बावजूद 'लोक लाज' के कारण शिकायत दर्ज नहीं कराती हैं। चोरी जैसे अपराध में 12% महिलाओं का कहना था कि वस्तू की कीमत शिकायत दर्ज कराने लायक नहीं थी।

किस तरह से सवाल यात्रियों से पूछे गए? : जीआरपी द्वारा सर्वे में भाग लेने वाली महिलाओं से पूछा गया कि वे कितनी बार लोकल ट्रेन की सेवा लेती हैं, उनका रूट क्या है, उनके पास सीजन टिकट है या डेली टिकट, वे क्यों ट्रैवल करती हैं, वे कितने बजे ट्रैवल करती हैं, उन्हें कितने बजे यात्रा करना सुरक्षित लगता है, ट्रेनों के अलावा प्लेटफॉर्म पर वे कैसा महसूस करती हैं, क्या पुलिस युनिफॉर्म में होने चाहिए? महिला यात्रियों ने भी अपनी ओर से टिकट चेकिंग बढ़ाने, लोकल सेवाएं बढ़ाने, महिला डिब्बों की संख्या बढ़ाने, रात में महिला डिब्बों में युनिफॉर्म वाले सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने, महिला डिब्बों में आपराधिक तत्वों को घुसने से रोकने और पुरुष फेरीवालों को नहीं घुसने देने की मांग की है।

न्यूज़ ब्रीफ

शिवसेना (यूबीटी) ने सांगली के लिए प्रत्याशी घोषित किया : राउत

पुणे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने उच्च स्तर पर सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे पर चर्चा के बाद लोकसभा चुनाव के लिए सांगली से पहलवान चंद्रहार पाटिल को प्रत्याशी बनाने का फैसला किया है। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी के सहयोगी दल कांग्रेस ने भी इस सीट पर दावा जताया था और वह इस सीट से विशाल पाटिल को टिकट देना चाहती थी। राउत ने बताया कि महा विकास आघाडी का हिस्सा कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार नीत गुट ने सीट बंटवारे की चर्चा में भाग लिया और एक या दो सीटों पर ऐसे मतभेद आना तय है।

बीएमसी के विकास कार्यों पर 6 माह का ब्रेक

मुंबई। लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव प्रक्रिया के बाद मानसून शुरू हो जाएगा। ऐसे में संभावना है कि नगर पालिका के नए और चल रहे विकास कार्यों पर ब्रेक लग जाएगा। गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड परियोजना के तीसरे चरण में गोरेगांव पूर्व में रत्नागिरी होटल में फ्लाईओवर और विस्तार कार्यों में देरी होने की संभावना है। इस परियोजना में परियोजना पीड़ितों के पुनर्वास का मामला भी लंबित रहने की संभावना है। माटुंगा रेलवे स्टेशन और मुंबादेवी में मल्टी लेवल मैकेनाइज्ड पार्किंग के साथ-साथ रोबोटिक पार्किंग के लिए ठेकेदारों को नियुक्त किया गया है। नगर निगम के पार्कों और खेल के मैदानों में भूमिगत पार्किंग सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। ये काम भी रुकने की संभावना है। वेस्टर्न एक्सप्रेसवे के बगल में ब्रिज का काम, मृणालताई गोर फ्लाईओवर एक्सटेंशन का काम, माहिम विक्रोली रेलवे स्टेशन के कॉजवे, फ्लाईओवर पर मीठी नदी पर पुल के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण का काम अधूरा है और इन कार्यों में भी देरी होने की संभावना है।

मुंबई में अब तक 16.51 प्रतिशत नाला सफाई

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका ने मानसून से पहले नाला सफाई का काम शुरू कर दिया है। महानगरपालिका का दावा है कि एक अप्रैल तक 15 दिन में 16.51 फीसदी नालों की सफाई हो चुकी है। मीठी नदी का 48.58 फीसदी हिस्सा साफ हो चुका है। महानगरपालिका 31 मई से पहले 10.21 लाख मीट्रिक टन कीचड़ हटाने की योजना बना रहा है। महानगरपालिका ने मुंबई में मीठी नदी, हाइवे के किनारे छोटे-बड़े नालों की सफाई का काम 31 ठेकेदारों को 249.27 करोड़ रुपए में सौंपा है. पिछले साल मार्च के पहले सप्ताह में नाला सफाई का काम शुरू हुआ था। हालांकि, इस वर्ष 18 मार्च से नाला सफाई का काम शुरू कर दिया गया है. इसलिए, नालों की सफाई का काम देर से शुरू हुआ है और नगर पालिका के सामने उन कामों को तीन चरणों में जैसे मानसून से पहले, मानसून के दौरान और मानसून के बाद करना एक चुनौती होगी।

'बारामती में पवार बनाम पवार नहीं, बल्कि मोदी बनाम राहुल'

विपक्ष पर बरसे देवेंद्र फडणवीस

धीरज सिंह | मुंबई/बारामती

लोकसभा चुनाव का मैदान सज गया है और जीत हासिल करने के लिए पार्टियां पूरा दम-खम लगा रही हैं। इस चुनावी रण में नेताओं के अलग अलग बयान भी सामने रहे हैं। अब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि बारामती सीट पर पवार बनाम पवार नहीं बल्कि मोदी बनाम राहुल की टक्कर होगी।

भाजपा प्रत्याशी हर्षवर्धन पाटिल के समर्थन में की रैली

बारामती के इंदापुर में भाजपा प्रत्याशी हर्षवर्धन पाटिल के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि बारामती में पवार बनाम पवार की लड़ाई है, किसी को लगता है कि यह लड़ाई सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार के बीच की है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि यह लड़ाई ना तो पवार बनाम पवार की है और ना ही सुप्रिया सुले बनाम सुनेत्रा पवार की है।

2019 विधानसभा चुनाव में हारे थे हर्षवर्धन पाटिल

बता दें कि बारामती सीट से उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार का मुकाबला तीन बार की सांसद सुप्रिया सुले से होगा। सुप्रिया सुले एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार की बेटी हैं। बारामती सीट से भारतीय जनता पार्टी ने हर्षवर्धन पाटिल को प्रत्याशी घोषित किया है। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में पाटिल एनसीपी के उम्मीदवार दत्तात्रेय भरणे से हार गए थे। अब फडणवीस का कहना है कि जो बीत गया उसे भुला दें और बड़े लक्ष्य की ओर नए जोश के साथ काम करें।

विपक्ष पर बरसे फडणवीस

फडणवीस ने सुप्रिया सुले पर हमला करते हुए कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने जैसे फैसलों का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि इसके लिए संसद में सुप्रिया के भाषणों पर गौर करें। उन्होंने कहा कि बारामती के लोगों को यह तय करना होगा कि क्या उनका सांसद पीएम मोदी द्वारा निर्धारित विकास के रास्ते पर चलेगा या राहुल गांधी की विचारधारा पर? फडणवीस ने आगे कहा कि चुनाव के दौरान विपक्ष सहानुभूति कार्ड खेलने की कोशिश करेगा लेकिन मतदाताओं को बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

फर्जी कागजात से अपराधियों को जेल से छुड़ाने वाले खुद पहुंचे जेल

दोपहर संवाददाता | मुंबई

क्राइम ब्रांच यूनिट-6 के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। अपराध शाखा ने उन अपराधियों के गिरोह का भंडाफोड़ कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है, जो विभिन्न अपराधों में जेल में बंद आरोपियों को कभी फर्जी दस्तावेज जमा करा के जमानत दिलाने का काम किया करते थे। इस मामले में पुलिस ने अलग-अलग इलाकों से पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सब इंस्पेक्टर संदीप रहाणे ने अपराधियों की पहचान अमित नारायण गिजे, बंडू वामन कोर्डे, अहमद कासिम शेख, संजीव सोहनलाल गुप्ता और उमेश अर्जुन कावले के रूप में की है। पास से फर्जी दस्तावेज बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री, विभिन्न प्रकार के डॉक्यूमेंट बरामद किया है।

मानखुर्द में सक्रिय था एक गिरोह

पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) विशाल ठाकुर ने बताया कि, प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सालुंखे को सूचना मिली कि मानखुर्द क्षेत्र में एक गिरोह सक्रिय है, जो न्यायालय में फर्जी दस्तावेज पेश कर विभिन्न अपराधों में आरोपियों की जमानत करा रहा है। इस सूचना की गंभीरता को समझते हुए, विशेष अभियान चलाया इस ऑपरेशन के दौरान टीम ने मानखुर्द के महात्मा फुले नगर में एक फ्लैट पर छापा मारा और अमित और बंडू को गिरफ्तार किया।

कहां से किसकी हुई गिरफ्तारी?

इनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने चेंबूर के छेदा नगर से अहमद, ठाणे के भिवंडी से गुप्ता और कल्याण से कावले को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। अब तक इस गैंग ने कितने आरोपियों को जमानत लेने के लिए फर्जी दस्तावेज दिए हैं। इस आरोपी समेत उसके रिश्तेदारों से कितने रुपए लिए गए, क्या इन अपराधों में उनके कोई अन्य साथी हैं और क्या उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि है।

लालू यादव को झटका

आर्म्स एक्ट में जारी हुआ गिरफ्तारी वारंट

एजेंसी | ग्वालियर

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच बिहार के पूर्व सीएम और आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मध्य प्रदेश में ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट ने करीब तीन दशक पुराने आर्म्स एक्ट के एक मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यह मामला साल 1995 और 1997 में आर्म्स फार्म 16 के तहत हथियारों की सप्लाई से जुड़ा हुआ है। इसी फॉर्म के आधार पर हथियारों के लिए आवेदन करने वाले लोगों को सरकार की ओर से आर्म्स दिया जाता है।

पुलिस ने इस मामले की जांच करते हुए लालू प्रसाद यादव के

नाम की तस्दीक की। अब पुलिस ने रिसर्च करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को आरोपी बनाया है। इस मामले में लालू प्रसाद यादव समेत कुल 23 आरोपी नामजद हैं। इसमें से कई के खिलाफ ट्रायल की शुरुआत भी हो गई है जबकि दो आरोपियों की मौत भी हो गई है। जानकारी के अनुसार यह फर्जीवाड़ा अगस्त 1995 से लेकर मई 1997 तक किया गया। इस अवधि के बीच तीन फर्म से कारतूस की खरीद की गई थी।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर आज से नहीं चलेंगे भारी वाहन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से भारी वाहन चलाने वालों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे पर 6 से 9 अप्रैल तक भारी वाहन नहीं चलाए जायेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे पर आज से मंगलवार तक भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

क्यों लिया गया फैसला?

आपको बता दें कि हाईवे पुलिस ने निजी मीडिया के माध्यम से ट्रांसपोर्टरों से इस पर ध्यान देने की अपील की है। महाराष्ट्र में गर्मी का तापमान चालीस डिग्री तक पहुंच गया है। इसलिए संभावना है कि मुंबई पुणे एक्सप्रेस हाईवे पर गाड़ियों के टायर गर्म होकर फट जाएंगे। साथ ही गाड़ी का इंजन गर्म होने और आग लगने की भी आशंका रहती है। इन घटनाओं के कारण बोरघाट में यातायात ठप हो जाती है। इसलिए हाइवे पुलिस द्वारा यह निर्णय लिया गया है।

घटनाओं से बचने के लिए पुलिस ने बनाई रणनीति

इन घटनाओं से बचने के लिए हाईवे पुलिस ने एक रणनीति बनाई है। मुंबई पुणे एक्सप्रेस हाईवे पर ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए 6 अप्रैल से 9 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक मुंबई से पुणे लेन पर भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसलिए हाईवे पुलिस ने भारी वाहन मालिकों, चालक संघों से अपील की है कि वे शनिवार से मंगलवार तक पुणे मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर भारी वाहन न लाएं। किसी भी तरह की अनहोनी न हो और कीसी भी वजह से यहां यातायात प्रभावित न हो इसलिए यह फैसला लिया गया है।

भीषण सड़क हादसे में पांच की मौत, तीन लोग घायल

दोपहर संवाददाता | नासिक

नासिक में लगातार हादसे हो रहे हैं। शुक्रवार दोपहर के करीब नासिक-डिंडौरी मार्ग पर एक बोलेरो जीप और एक दोपहिया वाहन की टक्कर हो गई। इसमें दोपहिया वाहन

पर सवार दो लोगों और बोलेरो सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में म्हासरुल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। हादसे में दोपहिया वाहन पर सवार अनिल शिवाजी बोडके और उनके बेटे राहुल बोडके की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बोलेरो कार में सवार मुकेश यादव और राजेंद्र कुमार यादव (यूपी के वाराणसी निवासी) की मौत हो गई। मृतकों में से एक और तीन घायलों की पहचान नहीं हो सकी थी।

भीमा कोरेगांव मामला > सुप्रीम कोर्ट ने शर्तों के साथ दी जमानत

शोमा कांति सेन को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

मुनीब चौरसिया | नई दिल्ली/मुंबई

सुप्रीम कोर्ट ने भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में करीब छह साल बाद शोमा कांति सेन को जमानत दे दी है। सेन को दलित और महिला अधिकारों की आवाज उठाने के लिए जाना जाता है। अंग्रेजी साहित्य की प्रोफेसर और महिला अधिकारी की कार्यकर्ता सेन को 6 जून, 2018 को गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 16 मार्च को एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले की आरोपी सेन की जमानत यातिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने यह देखते हुए आदेश पारित किया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने उनकी जमानत का विरोध नहीं किया। इसलिए गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम (UAPA) के तहत जमानत के लिए कठोर शर्तें लागू नहीं होती हैं।

कोर्ट ने जमानत देते समय निम्नलिखित शर्तें तय कीं

- सेन महाराष्ट्र नहीं छोड़ेंगी और अपना पासपोर्ट सरेंडर कर देंगी।
- वह एनआईए को अपने निवास के बारे में सूचित करेंगी और एनआईए अधिकारी को अपना मोबाइल नंबर बताएंगी और सुनिश्चित करेंगी कि नंबर एक्टिव है।
- सेन के मोबाइल का जीपीएस सक्रिय होना चाहिए और उनका फोन एनआईए अधिकारी के फोन से जुड़ा होना चाहिए, ताकि उसकी लोकेशन का पता लगाया जा सके।
- कोर्ट ने कहा कि यदि शर्त का उल्लंघन किया जाता है, तो जमानत रद्द करने की मांग करना अभियोजन के लिए खुला होगा।

कौन हैं शोमा कांति सेन?

शोमा कांति सेन एक दलित महिला अधिकार कार्यकर्ता और अंग्रेजी साहित्य की प्रोफेसर हैं। वह नागपुर यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी साहित्य विभाग विभागाध्यक्ष रह चुकी हैं। शोमा का जन्म और पालन-पोषण मुंबई के बांद्रा में एक उच्च-मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ। उन्होंने स्कूली शिक्षा सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से पूरी की। सेन ने इसके बाद मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में मास्टर की डिग्री पूरी करने के बाद नागपुर यूनिवर्सिटी से एमफील और पीएचडी की और वहीं प्राध्यापक बन गईं। भीमा कोरेगांव हिंसा में उनकी कथित संलिप्तता के आरोप में पुणे पुलिस ने उन्हें 8 जून, 2018 को सुधीर धावले, महेश राउत, सुरेंद्र गाडलिंग और रोना विल्सन के साथ गिरफ्तार किया था। इन सभी पर UAPA के तहत आरोप लगाए गए थे। उनकी गिरफ्तारी का मामला 31 दिसंबर, 2017 को पुणे के शनिवारवाड़ा में आयोजित एल्गार परिषद सम्मेलन में दिए गए कथित भड़काऊ भाषण से जुड़ा है। पुणे पुलिस का दावा है कि भाषण के अगले दिन शहर के बाहर इलाके में स्थित कोरेगांव-भीमा युद्ध स्मारक के पास हिंसा भड़क उठी थी। सम्मेलन को माओवादियां का भी समर्थन था।

बिना टिकट यात्रा करने वालों से मध्य रेलवे ने वसूले 300 करोड़

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाने में मध्य रेल सभी क्षेत्रीय रेलवे में प्रथम स्थान पर निरंतर बना हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च-2024) के दौरान, मध्य रेल ने बिना टिकट/अनियमित यात्रा और बिना बुक किए गए सामान के 46.26 लाख मामलों से राजस्व के रूप में 300 करोड़ रुपए की राशि दर्ज की। सेंट्रल रेल ने राजस्व के मामले में इस वर्ष के लक्ष्य 265.97

करोड़ रुपए को 12.80% और 42.63 लाख मामलों में से 8.38% की वृद्धि संख्या के मामले में लक्ष्य को पार कर लिया है और इसी के साथ दर्ज मामलों और राजस्व के मामले में सभी क्षेत्रीय रेलों में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

मामलों की संख्या एवं अर्जित राजस्व का मंडलवार विवरण

- मुंबई मंडल ने 20 .56 लाख मामलों से 115 .29 करोड़ रुपए
- भुसावल मंडल में 8 .34 लाख मामलों से 66 .33 करोड़ रुपए
- नागपुर मंडल 5 .70 लाख मामलों से 34 .52 करोड़ रुपए
- सोलापुर मंडल में 5 .44 लाख मामलों से 34 .74 करोड़ रुपए
- पुणे मंडल 3 .74 लाख मामलों से 28 .15 करोड़ रुपए के साथ
- मुख्यालय 2 .47 लाख मामलों से 20 .96 करोड़ रुपए के साथ

महाराष्ट्र में प्रचंड गर्मी का कहर

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में 1 मार्च से हीटस्ट्रोक के 41 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से तीन पुणे से हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि गुरुवार को दिन के बढ़ते तापमान के बीच महाराष्ट्र के जिलों में हीटस्ट्रोक के सबसे अधिक पांच मामले बुलढाणा में दर्ज किए गए हैं, इसके बाद अमरावती (4) और कोल्हापुर (4) हैं। विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि नासिक, पुणे और ठाणे जिलों में अब तक तीन-तीन मामले सामने आए हैं।

पिछले साल के आंकड़े भी चौंका देने वाले

आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल 1 मार्च से 31 जुलाई के बीच, राज्य में हीटस्ट्रोक के 3,191 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए थे और हीटस्ट्रोक के कारण 22 लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी।

भीषण गर्मी का ऐसे रखें ख्याल?

“राज्य के आधे से अधिक जिलों में अब 40 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे गर्मी में बाहर निकलने से बचें और ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। जिला अस्पतालों को हीटस्ट्रोक के रोगियों के इलाज के लिए पर्याप्त दवाएं और आईवी तरल पदार्थ रखने के लिए कहा गया है।

-डॉ.राधाकिशन पवार, महाराष्ट्र स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभारी (पुणे डिवीजन)

“

गर्मी की शुरुआत (फरवरी के अंत में) होने के कारण हम साल के इस समय में गर्मी से संबंधित अधिक मामले दर्ज कर रहे हैं। अन्यथा, ऐसा मामलों में वृद्धि आमतौर पर अप्रैल के मध्य या मई में दर्ज की जाती है। तेज बुखार, अत्यधिक थकान, शरीर में दर्द और मतली की शिकायत के साथ अस्पताल आने वाले ज्यादातर मरीज 30-45 आयु वर्ग के थे। हमने लोगों को हाइड्रेटेड रहने, लंबे समय तक भूखे न रहने का सुझाव दिया है।-*कमलेश त्रिपाठी, फिजिशन एंड सर्जन*

50 लाख रुपए के बैन तंबाकू प्रोडक्ट हुए जब्त

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक ट्रक से करीब 50 लाख रुपये का गुटखा जब्त कर उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को लेकर राज्य में गुटखा के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारी ने बताया कि नारपोली पुलिस ने बृहस्पतिवार को दोपहर में भिवंडी इलाके में दापोडा रोड पर एक ट्रक को रोका और पाया कि उसमें विभिन्न 'ब्रांड' का गुटखा रखा था। तंबाकू उत्पाद की कुल कीमत लगभग 50 लाख रुपये थी। उन्होंने कहा कि गुटखे की खेप और ट्रक को जब्त कर लिया गया और चालक अजय कुमार श्यामपाल सिंह (28) को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने कहा कि वे गुटखे के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरानी खजूर व्यापारी से 4.3 करोड़ की धोखाधड़ी

पुलिस ने पांच लोगों पर किया मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई पुलिस ने ईरान के एक खजूर व्यापारी से कथित तौर पर करीब 4.3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि दो ट्रेडिंग कंपनियों के मालिकों सहित आरोपियों ने शिकायतकर्ता से खजूर खरीदीं लेकिन कथित तौर पर उसे कभी भुगतान नहीं किया। अपनी शिकायत में, विक्रेता ने कहा कि उसने 2020 में ईरान के बंदर अब्बास के बंदरगाह से मुंबई स्थित दो व्यापारियों को खजूर के साथ 23 कंटेनर भेजे थे।

आरोपियों ने व्यापारी को बेवकूफ बनाने की कोशिश की

पुलिस के मुताबिक, खजूर की खेप प्राप्त होने के बाद आरोपियों ने जाली कागजात बनाकर व्यापारी को बेवकूफ बनाने की कोशिश की। आरोपियों ने यह दिखाया कि दुबई की उनकी एक सहयोगी कंपनी ने यह खजूर भेजे हैं।पुलिस ने शिकायतकर्ता के हवाले से बताया कि खजूर की खेप का सारा पैसा करीब 4.36 करोड़ रुपये वास्तविक विक्रेता की बजाय दुबई की किसी कंपनी को भेजा गया। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद नवी मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने प्रारंभिक जांच की और गुरुवार को नवी मुंबई के एपीएमसी पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया।

नौपाडा में शनिवार को सर्वकष स्वच्छता अभियान

दोपहर संवाददाता । ठाणे

राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने साल 2023 में शुरू किया था जो शहर के हर प्रभाग समिति में लगातार जारी है। मनपा क्षेत्र में नामक मुहिम शनिवार को नौपाडा प्रभाग समिती के अंतर्गत कौपिनेश्वर मंदिर, भाजी मंडई परिसर, मासुंदा तलाव परिसर में स्वच्छता अभियान किया जायेगा। मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन व उनके कार्यकाल में पहली बार यह स्वच्छता अभियान होगा। इस अभियान से शहर में प्रदूषण कम हुआ है।शहर की मुख्य सड़के और हाईवे मार्ग पर चल रहा है। मनपा और श्रीकौपिनेश्वर सांस्कृतिक ट्रस्ट की ओर से हर साल शहर में नववर्ष पर स्वागत यात्रा निकाला जाता है।इसकी शुरुआत श्रीकौपिनेश्वर मंदिर से शनिवार सुबह 6.30 बजे से शुरू होगा इसमें मनपा कर्मचारी, सफाई कर्मचारी,स्थानीय नागरिक भाग लेगें।

सुरेश म्हात्रे के गोदाम पर कार्रवाई

राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करने का आरोप

दोपहर संवाददाता । ठाणे

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और पिछले कई दिनों से भिवंडी लोकसभा उम्मीदवारी को लेकर महाविकास अघाड़ी में माथापच्ची चल रही है। गुरुवार को राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार समूह के सुरेश बल्यामामा म्हात्रे को भिवंडी लोकसभा उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया। इस घोषणा के कुछ घंटों से भी कम समय के बाद, उनके आरके लॉगी वर्ल्ड गोदाम परिसर को एमएमआरडीए ने बिना किसी नोटिस के बंद कर दिया। हालाँकि, जब उन्हें बताया गया कि कोर्ट ने इस मामले पर स्टे ले लिया है तो कार्रवाई करने आए एमएमआरडीए अधिकारी खाली हाथ लौट गए। मीडिया से बात करते हुए सुरेश महात्रे ने आलोचना करते हुए कहा कि यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव के कारण की जा रही है।

CBI ने रिश्वत मामले में CDSCO के 3 अधिकारियों को किया गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । पनवेल

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत मामले में महाराष्ट्र के पनवेल में स्थित सहायक औषधि नियंत्रक (भारत) कार्यालय के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक एजेंसी को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के सहायक औषधि नियंत्रक के पनवेल स्थित कार्यालय में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के बारे में जानकारी मिली थी। सीबीआई और सतर्कता विभाग के कर्मियों ने दो अप्रैल को कार्यालय का औचक निरीक्षण किया और इस दौरान, यह सामने आया कि कई निजी व्यक्ति अपने ग्राहकों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की सुविधा के नाम पर सीमा शुल्क हाउस एजेंट (सीएचए) के संदिग्ध अधिकारियों की ओर से रिश्वत ले रहे थे। सीबीआई प्रवक्ता के मुताबिक निष्कर्षों के आधार पर सीबीआई ने सहायक औषधि नियंत्रक अरविंद आर हिवाले, औषधि निरीक्षक देवेंद्र नाथ और अधीनस्थ कर्मचारी नागेश्वर एन सब्बानी के खिलाफ मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि बाद में तीनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके आवासों की तलाशी के परिणामस्वरूप 46.70 लाख रुपए की नकदी और लगभग 27.80 लाख रुपए के आभूषण जब्त किए गए।

1.52 लाख रुपए कैश बरामद

सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि औचक निरीक्षण के दौरान, लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों की दराज से लगभग 1.52 लाख रुपये की नकद राशि बरामद की गई, जिसके बारे में उक्त कार्यालय में मौजूद संबंधित लोक सेवक और निजी व्यक्ति संतोषजनक ढंग से नहीं बता सके।

रिश्वत के रूप में बेहिसाब धन

उन्होंने कहा कि संदिग्ध लोक सेवकों द्वारा कथित तौर पर एनओसी जारी करने के लिए सीएचए या उनके प्रतिनिधियों से सीधे या निजी व्यक्तियों के माध्यम से रिश्वत के रूप में बेहिसाब धन स्वीकार किया गया था।

दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

- बच्चों को पैसे देने वाले व्यक्ति को पीटने का है मामला

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले की पुलिस ने दो बच्चों को खाने की चीज खरीदने के लिए पैसे देने वाले व्यक्ति की कथित पिटाई को लेकर दो लोगों के खिलाफ शुक्रवार को मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार को भिवंडी इलाके में हुई, जब 25-वर्षीय शिकायतकर्ता एक दरगाह जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि दो बच्चे शिकायतकर्ता के पास पहुंचे और कुछ खाने की चीज खरीदने के लिए पैसे मांगने लगे, हालांकि जब व्यक्ति ने उन्हें पैसे दे दिए तो दो लोगों की उससे कहासुनी हो गई और उन्होंने उससे पूछा कि उसने बच्चों को पैसे क्यों दिए। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों की पहचान अमीर कुरैशी और आरिफ कुरैशी के रूप में हुई है। उन्होंने शिकायतकर्ता को कथित तौर पर लकड़ी के डंडों से पीट-पीटकर घायल कर दिया। अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति का स्थानीय अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ जानबूझकर खतरनाक हथियारों या वस्तु से पीट-पीटकर घायल करने के आरोप में भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है।

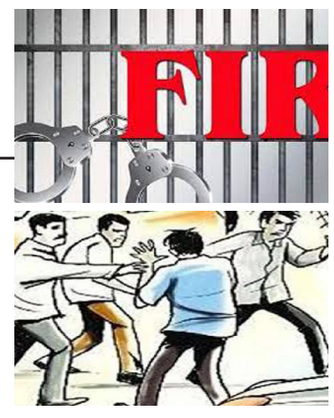

अभियंताओं ने अवकाश लेने की धमकी दी

ग्रामीण जल जीवन मिशन के कार्यों का कर रहे हैं 'ऑडिट'

दोपहर संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर में जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का आंदोलनकारी ग्रामीणों द्वारा 'ऑडिट' किए जाने के विरोध में जिला परिषद के 16 अभियंताओं ने सामूहिक अवकाश पर जाने की धमकी दी है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन अभियंताओं ने जिला परिषद के कार्यकारी अभियंता को अपने निर्णय के बारे में अवगत करा दिया है।

ग्रामीणों और अभियंताओं में विवाद

अधिकारी ने बताया कि पिछले कई दिनों से ग्रामीण जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों में खामियां तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके कारण अभियंताओं के साथ उनका विवाद हो गया और इसके चलते कुछ कर्मचारियों को बंधक भी बनाया गया। अधिकारी ने कहा, ' अभियंताओं ने पत्र में कहा कि 'ऑडिट आंदोलन' से उनके स्वास्थ्य और मनोबल पर असर पड़ रहा है। जब तक शीर्ष स्तर पर कोई फैसला नहीं हो जाता, हमारे पास सामूहिक अवकाश पर जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है।' इस बीच, पालघर लोकसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन अधिकारी ने खंड विकास अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत पदाधिकारियों को यह जांच करने का निर्देश दिया कि क्या इस आंदोलन से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ है।

हत्या का आरोपी हुआ गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । पालघर

पालघर जिले के पेल्हार पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने हत्या के एक मामले का पर्दाफाश कर आरोपित को गिरफ्तार किया है। पेल्हार पुलिस स्टेशन सीमा में 17 जनवरी 2024 को दोपहर 02.00 बजे के आसपास नालासोपारा पूर्व में स्थित एक गहरी पत्थर की खदान में गिरकर एक शख्स की मौत होने की शिकायत अरबाज राइन ने दर्ज करवाई थी।

मामले की जांच में पता चला कि खदान में मिला शव बृजेश कामताप्रसाद चौरसिया उम्र 41 वर्ष (निवासी-जाबर पाडा, पेल्हार नालासोपारा पूर्व) का था। मृतक की बहन सारिका चौरसिया ने संदेह जताया कि उसके भाई की हत्या की गयी है।पुलिस अधिकारी ने कहा कि,मामले की गंभीरता को देखते हुए पीआई जितेंद्र वनकोटी ने अपराध जांच टीम के एपीआई सोपान पाटील को मामले की गहन जांच करने का आदेश दिया। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि मृतक और उसका दोस्त बलराम यादव दोनों 17 जनवरी 2024 को घटना स्थल पर साथ ही थे। स्थानीय लोगों से पुलिस को जानकारी मिली कि बलराम ने ब्रिजेश को खदान में धक्का दिया था। पुलिस की पूछताछ के पता चला है, कि हत्या का मुख्य कारण लेन देन की वजह था। पुलिस बलराम लालचंद यादव उर्फ बलिराम के खिलाफ पेल्हार थाने में धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर मामले की जांच में जुटी है।

अजित पवार गुट के जिला अध्यक्ष गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । भायंदर

एनसीपी अजित पवार गुट के मीरा भायंदर शहर के जिला अध्यक्ष मोहन पाटिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अभिनव शेतकरी शिक्षण मंडल में कथित वित्तीय घोटाले के मामले में मोहन पाटिल पिछले महीने से फरार हैं। उन्हें मीरा-भाइंदर, वसई-विरार पुलिस की वित्तीय अपराध शाखा ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। मोहन पाटिल 2011 से 2019 तक अभिनव शेतकरी शिक्षण मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष थे। इस दौरान उन पर संस्था के स्कूल में कंप्यूटर के रखरखाव और मरम्मत, छात्रों के लिए डिजिटल पहचान पत्र और छात्रों को दी जाने वाली खिचड़ी में बड़े पैमाने पर वित्तीय घोटाला करने का आरोप है। इस संबंध में 2018 में नवघर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था. इसके बाद पाटिल ने उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया। फरवरी में हाई कोर्ट ने पाटिल की गिरफ्तारी से पहले की जमानत खारिज कर दी थी. तभी से पाटिल फरार था. पुलिस उपायुक्त अविनाश अंबुरे ने बताया कि मोहन पाटिल को आर्थिक अपराध शाखा ने शुक्रवार (5) सुबह गिरफ्तार कर लिया।

5 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

विरार। विरार पूर्व के रहने वाले एक 24 वर्षीय शख्स के पास नवघर पुलिस ने 5 किलो से अधिक का गांजा (मादक पदार्थ)बरामद किया है। पुलिस ने शख्स को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ नवघर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुट गई है।मिली जानकारी के अनुसार,नवघर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नवघर कबिन रोड,रेलवे पटरी के पास,भाईंदर पूर्व मे एक 24 वर्षीय शख्स के पास से 5 किलो 500 ग्राम वजन गांजा जप्त किया है। पुलिस ने कहा कि,गांजा की कुल कीमत 1,05,000 रुपये आकी गयी है। इस संबंध में अभियुक्त राजेन्द्र उपेंद्र चौहान (24),निवासी- विरार पूर्व सहकार नगर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि,उपरोक्त अभियुक्त को गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया है।

कोर्ट ने लूट के मामले में चार आरोपियों को किया बरी

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने लूट और चोरी के आभूषण खरीदने के आरोपी चार लोगों को बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित एम. शेटे ने मुख्तार शेरू हुसैन, मोहम्मद अफसर सैय्यद, अजीज हाफिज सैय्यद और कांतिलाल आनंदजी शाह को बरी कर दिया, जिनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 392 (लूट) और 413 (चोरी की वस्तु रखना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। 18 मार्च को जारी आदेश की प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध करायी गयी। तीन आरोपी कल्याण में रहते थे जबकि सुनार का काम करने वाला शाह पड़ोसी शहर मुंबई का निवासी था। अतिरिक्त लोक अभियोजक संजय मोरे ने अदालत को बताया कि 23 जनवरी 2016 को जिले के मुंब्रा इलाके में तीन लोगों ने अपने पति के साथ दोपहिया वाहन पर जा रही महिला की जंजीर छीन ली थी। उन्होंने कहा कि बाद में जंजीर सुनार को बेच दी गई। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है। आदेश में कहा गया है कि जांच अधिकारी सही अर्थों में जांच करने में पूरी तरह विफल रहे, जिसके कारण आरोपियों को संदेह का लाभ दिया जाता है।

महानगरपालिका ने फर्जी डॉक्टर के अस्पताल पर मारा छापा

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर नगर निगम के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई छापेमारी में कर्नाटक में एक बीएचएमएस धारक डॉक्टर ने महाराष्ट्र होम्योपैथी परिषद से पंजीकरण प्रमाणपत्र के बिना क्लिनिक शुरू किया। दिलचस्प बात यह है कि यह बिना नेमप्लेट वाला 8 बिस्तरों वाला अस्पताल है और डॉक्टर के खिलाफ हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

कैसे हुआ खुलासा ?

चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग को शिकायत मिली थी कि डॉ. भरत कुमार जयसवाल जीवनघोट हॉल के सामने कैंप नंबर 5 सेक्शन 40 में फर्जी मेडिकल कारोबार चला रहे हैं. आयुक्त अजीज शेख एवं उपायुक्त डॉ. के निर्देशानुसार. डॉ. सुभाष जाधव, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी. मोहिनी धर्मा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. पल्लवी पगारे ने पुलिस प्रतिष्ठान पर छापा मारा। जांच में पता चला कि डॉ. भरत कुमार जयसवाल कर्नाटक से बीएचएमएस हैं। यह पता चला है कि उनके पास महाराष्ट्र काउंसिल ऑफ होम्योपैथी का पंजीकरण प्रमाण पत्र नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि अस्पताल पर कोई नेमप्लेट नहीं थी, लेकिन अंदर 8 बेड थे और मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्था थी।

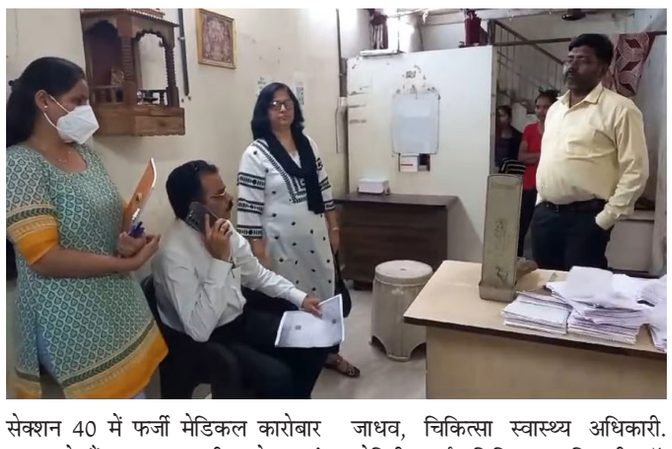

मामला दर्ज: इस मामले में डॉ. जयसवाल के खिलाफ हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. कमिश्नर अजीज शेख ने बताया कि शहर में झोलाछाप डॉक्टरों की तलाश कर उनके खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

दो बजे
दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

थाईलैंड से मुंबई नकली आभूषण बताकर असली चांदी की तस्करी, 2 गिरफ्तार

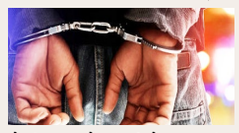

मुंबई। मुंबई कस्टम विभाग ने थाईलैंड से 2.58 करोड़ रुपये के चांदी के आभूषण, बटुए और घड़ियों की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि, नकली आभूषण बताकर, असली चांदी की तस्करी की जा रही थी। कस्टम विभाग को हाल ही में सूचना मिली थी कि बैंकॉक, थाईलैंड से फ्लाइट के जरिए चांदी या सोने की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी के आधार पर मार्च में विभाग ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे दो यात्रियों से 172 किलोग्राम वजन के आभूषण और अन्य सामान जब्त किया था। उनकी जांच से पता चला कि जब्त की गई वस्तुएं चांदी से बनी थीं, न कि नकली आभूषण, जैसा कि फ्लायर द्वारा दावा किया गया था। प्रवीण कुमार गुप्ता (37) और अजर खान (29) के रूप में पहचाने गए दो आरोपी कथित तौर पर थाई एयरवेज की उड़ान टी जी-351 के माध्यम से थाईलैंड से भारत आते समय इन चांदी की वस्तुओं को ले जा रहे थे। पूछताछ के दौरान, दोनों ने कथित तौर पर आभूषणों में चांदी की मौजूदगी के बारे में जानकारी होने की बात स्वीकार की और कहा कि वे 12,000 रुपये के कमीशन के लिए इसकी तस्करी कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

यूट्यूब वीडियो ने बनाया लुटेरा

एटीएम तोड़ने के आरोप में 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार

मुंबई। यूट्यूब वीडियो युवाओं के दिमाग पर कितना प्रतिकूल असर कर रहा है इसका उदाहरण तब सामने आया जब, मुंबई में एक युवक यूट्यूब वीडियो देख कर एटीएम को तोड़ने की हिम्मत की, पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वकोला पुलिस ने एक 21 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसने एक हिंदी फिल्म और यूट्यूब वीडियो देखकर एटीएम तोड़ने का असफल प्रयास किया था। पुलिस ने आरोपी की पहचान पालघर निवासी जावेद शेख के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि, एटीएम कियोस्क वाकोला पाइपलाइन रोड पर स्थित है। 1 अप्रैल को शाम 6.22 बजे, जावेद एटीएम में दाखिल हुआ और कटर का उपयोग करके मशीन को खोलने की कोशिश की, लगातार प्रयासों के बावजूद, वह पहुंच पाने में असमर्थ रहा और घटनास्थल से भाग गया। चोरी के प्रयास का पता चलने पर बैंक अधिकारी नवीन कारकल ने वकोला पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने कियोस्क सहित आसपास के 70-80 सीसीटीवी फुटेज रिकॉर्डिंग की जांच कर फुटेज के आधार पर आरोपी को नीले रंग की बाइक पर सवार होकर धोबी घाट इलाके की ओर जाते देखा गया।

अनमोल विचार भावनात्मक और वैचारिक आदान-प्रदान के बिना जीवन सूना-सूना लगता है : परमेश कृष्णन नायर

अब अलीबाग के नाम को बदलने की कवायद

विधानसभा स्पीकर नार्वेकर ने राज्य सरकार से नाम बदलने का किया आग्रह

मुंबई/अलीबाग। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने राज्य सरकार से अपील की है कि वे अलीबाग के नाम को बदलकर मयनाक भंडारी की याद में मयनाकनगरी करे। मयनाक भंडारी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसेना की कमान संभाली थी और मराठा नौसेना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी। मुंबई का तटीय शहर अलीबाग एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और राज्य के रायगढ़ जिले के तहत आने वाली एक नगर परिषद है।

ऑल इंडिया भंडारी फेडरेशन ने की थी मांग

हाल ही में ऑल इंडिया भंडारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने राहुल नार्वेकर से मुलाकात की थी। इसी मुलाकात में फेडरेशन ने अलीबाग का नाम बदलकर मयनाक नगरी करने की मांग की थी। नार्वेकर ने गुरुवार को सीएम एकनाथ शिंदे को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने लिखा कि मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में विदेशी आक्रमण को रोकने के लिए समुद्री सुरक्षा और नौसैन्य ताकत बेहद अहम थी।

कौन थे मयनाक भंडारी ?

राहुल नार्वेकर ने लिखा कि शिवाजी महाराज ने एक मजबूत नौसेना की नींव रखी, जिसका कोंकण क्षेत्र में मयनाक भंडारी ने नेतृत्व किया था। मयनाक भंडारी की नेतृत्व कुशलता और बहादुरी के चलते ही अंग्रेजों को अलीबाग में खंदेरी के किले से पीछे हटना पड़ा था। स्पीकर नार्वेकर ने ये भी मांग की कि अलीबाग में मयनाक भंडारी की प्रतिमा भी लगाई जानी चाहिए। स्पीकर ने कहा कि ऑल इंडिया भंडारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने यह मांग की, जिसका नेतृत्व नवीनचंद्र बंडीवडेकर ने किया। स्पीकर ने पत्र में लिखा कि 'यह मांग जायज है और मैं सरकार से अपील करता हूं कि वह इस पर विचार करे।'

गठबंधन में बाधाएं पैदा कर रहे थे निरुपम : पृथ्वीराज चव्हाण

दोपहर संवाददाता । मुंबई

संजय निरुपम के कांग्रेस से निष्कासन के बाद से महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मचा है। निरुपम ने कांग्रेस पर बड़े आरोप लगाते हुए कहा कि वो निष्कासन से पहले ही इस्तीफा दे चुके थे। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भी कई हमले बोले। वहीं, अब पूर्व सीएम और विधायक पृथ्वीराज चव्हाण का इस मामले पर बयान सामने आया है।

निरुपम की सीट इस कारण शिवसेना (यूबीटी) को दी

पृथ्वीराज चव्हाण ने संजय निरुपम के निष्कासन और उनकी मनपसंद सीट शिवसेना (यूबीटी) को देने का कारण भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव के नतीजों की वजह से कांग्रेस को मुंबई में ज्यादा सीटें नहीं मिलीं। कांग्रेस को वह सीट नहीं मिली जो संजय निरुपम चाहते थे और उसकी वजह से नाराज थे।

कांग्रेस ने इस कारण संजय को निकाला

पूर्व सीएम ने कहा कि सीट न मिलने की वजह से संजय निरुपम नाराज थे और बयानबाजी कर रहे थे। जब बात बढ़ी तो कांग्रेस को अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि संजय ने पक्का अपने लिए कोई न कोई विकल्प ढूंढ ही लिया है, इसलिए वे लगातार कांग्रेस के खिलाफ बयान दे रहे थे और गठबंधन में बाधाएं पैदा कर रहा थे।

कांग्रेस पर लगाए दिशाहीन होने के आरोप

संजय निरुपम ने बीते दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पार्टी पर कई हमले बोले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब दिशाहीन हो गई है और उसे सही-गलत का एहसास नहीं हो रहा है। उन्होंने इसी के साथ कहा कि कांग्रेस में केवल 5 लोगों की ही चलती है, जिसमें गांधी परिवार से तीनों राहुल, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे और के सी वेणुगोपाल शामिल हैं।

पुलिसकर्मी ने ड्यूटी के दौरान गोली मारकर की आत्महत्या

मुंबई/पुणे। पुणे जिले के खड़क पुलिस स्टेशन में एक पुलिसकर्मी ने शुक्रवार को सुबह ड्यूटी के दौरान गोली मारकर आत्महत्या कर ली। शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए गहन छानबीन की जा रही है। पुलिस के अनुसार खड़क पुलिस स्टेशन में भरत दत्त अस्मर ड्यूटी पर थे। अचानक उन्होंने खुद को गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और इस घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इसके बाद भरत का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, इसलिए भरत की आत्महत्या को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

जेल से छूटेगा अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली

दोपहर संवाददाता । मुंबई

अंडरवर्ल्ड डॉन और कुख्यात गैंगस्टर अरुण गवली उर्फ डैडी को बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महीने के भीतर रिहा करने का आदेश दिया है। गवली ने 2006 के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय के आधार पर सजा से छूट देने की मांग की थी। गवली 16 साल से नागपुर सेंट्रल जेल में बंद है। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने माफिया डॉन से नेता बने अरुण गुलाब गवली की रिहाई का निर्देश दिया और जेल प्रशासन को इस संबंध में जवाब दाखिल करके लिए चार सप्ताह का समय दिया। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि गवली 2006 की सरकारी नीति का लाभ पाने का हकदार है।

16 साल बाद होगी रिहाई!

इसके मुताबिक, अरुण गवली ने 2006 की अधिसूचना के तहत अपनी जल्द रिहाई की मांग करते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। गवली ने अपनी याचिका में दलील दी थी कि वो अब 69 साल का हो गया है और सरकार के एक आदेश के मुताबिक उसे जेल से रिहा किया जाना चाहिए। जस्टिस विनय जोशी और जस्टिस वृषाली जोशी की खंडपीठ ने अरुण गवली की इस याचिका को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर गवली की रिहाई पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। उम्मीद की जा रही है कि मई महीने तक गवली जेल से बाहर आ सकता है।

दोपहर इन्फो

क्या है 2006 का महाराष्ट्र सरकार का फैसला?

10 जनवरी 2006 के अधिसूचना के अनुसार ऐसे कैदी जो 65 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हों, जो शारीरिक रूप से अक्षम हों और जिन्होंने अपनी आधी सजा पूरी कर ली हो, उन्हें शेष सजा से छूट देकर रिहा करने का प्रावधान है।

केस डायरी शिवसेना नेता की कराई थी हत्या

मायानगरी मुंबई के दगड़ी चॉल के रहने वाले अरुण गवली पर कई गंभीर मामले दर्ज है। 69 वर्षीय गवली 2004-2009 के दौरान विधायक भी था। उसे 2006 में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 2012 में शिवसेना नेता कमलाकर जामसांडेकर की हत्या के मामले में गवली को कोर्ट ने दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह घटना 2 मार्च 2007 को घटी थी। शिवसेना नगरसेवक कमलाकर का सदाशिव सुर्वे से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। सदाशिव ने ही गवली को कमलाकर की सुपारी दी थी। इसके बाद अरुण गवली ने शिवसेना नेता को मारने की जिम्मेदारी प्रताप गोडसे को दी। कमलाकर की 2 मार्च 2007 को हत्या कर दी गई।

रोहित पवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग

संवाददाता सम्मेलन में केकड़ा लटकाने पर पेटा ने की मांग

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पशु अधिकार संगठन 'पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल' (पेटा) ने हाल ही में विधायक रोहित पवार द्वारा संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक केकड़ा लटकाए जाने को लेकर निर्वाचन अधिकारियों और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को पत्र लिखकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पेटा ने कहा कि उनका यह कृत्य पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, महाराष्ट्र आदर्श आचार संहिता के साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देशों का भी उल्लंघन है।

शरद पवार और जिला निर्वाचन अधिकारी लिखा गया पत्र

शरद पवार और जिला निर्वाचन अधिकारी मीनल कालस्कर को लिखे पत्र में 'पेटा इंडिया' के शौर्य अग्रवाल ने कहा, ''वीडियो से स्पष्ट है कि श्री (रोहित) पवार द्वारा केकड़े का इस्तेमाल पूर्व नियोजित था। मीडिया स्टंट के लिए, जीव को अनावश्यक पीड़ा पहुंचाई गई।'' अग्रवाल ने कहा कि शोध से पता चलता है कि केकड़े काफी होशियार होते हैं।

7 अप्रैल को पांच घंटे का जंबो ब्लॉक

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने मुंबई लोकल ट्रेन अपडेट साझा करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह रविवार को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल के बीच पांच घंटे का जंबो ब्लॉक करेगा। पश्चिम रेलवे, पटरियों, सिग्नलिंग और ओवरहेड उपकरणों के रखरखाव का काम करने के लिए, रविवार, 7 अप्रैल को माहिम और अंधेरी रेलवे स्टेशनों के बीच अप और डाउन हार्बर लाइनों पर 11.00 बजे से 16.00 बजे तक पांच घंटे का जंबो ब्लॉक लिया जाएगा।

कुछ धीमी सेवाएं रद्द

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान, मध्य रेलवे की सभी सीएसएमटी – बांद्रा – सीएसएमटी और सीएसएमटी – गोरेगांव – सीएसएमटी हार्बर लाइन सेवाएं और चर्चगेट और गोरेगांव के बीच कुछ धीमी सेवाएं रद्द रहेगा. रद्दीकरण की सूची स्टेशन मास्टर के कार्यालय में उपलब्ध होगी।

एसी लोकल की तरफ रुझान

इस बीच, पश्चिम रेलवे ने इस सप्ताह की शुरुआत में जारी एक बयान में कहा कि सोमवार को लगभग 30,000 यात्रियों ने मुंबई एसी लोकल ट्रेनों के लिए टिकट खरीदे। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों ने यह भी कहा कि 1 अप्रैल को 3000 से अधिक यात्रियों ने एसी लोकल के सीज़न टिकटों का लाभ उठाया। पश्चिम रेलवे के अनुसार, सोमवार को 3,561 लोगों ने एसी लोकल के लिए सीज़न टिकटों का लाभ उठाया। सीज़न टिकट प्रथम और द्वितीय श्रेणी के लिए जारी किए जाते हैं और वे जिस श्रेणी के लिए जारी किए जाते हैं, उसी श्रेणी में मान्य होते हैं। इसके अलावा, प्रथम श्रेणी सीज़न टिकट रखने वालों को वातानुकूलित लोकल में यात्रा करने की अनुमति नहीं है। सीज़न टिकट, जो उपनगरीय और गैर-उपनगरीय खंडों के लिए जारी किए जाते हैं, एक यात्री को निर्धारित अवधि में असीमित यात्रा करने की अनुमति देते हैं। रेलवे मासिक और त्रैमासिक सीज़न टिकट प्रदान करता है।

आंबेडकर बंधुओं में लेटर वार

इस सीट पर महायुति से नवनीत राणा और एमवीए से बलवंत वानखड़े हैं मुकाबला

मुंबई/अमरावती। वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर और उनके छोटे भाई रिपब्लिकन सेना प्रमुख आनंदराज वाई आंबेडकर के बीच अमरावती (एससी) लोकसभा क्षेत्र को लेकर पत्र-युद्ध छिड़ गया है। इस बात को लेकर अनिश्चितता है कि आरक्षित सीट पर कौन सी पार्टी चुनाव लड़ेगी। 'तू तू-मैं मैं' शैली के इस झगड़े ने अमरावती (एससी) सीट पर तथाकथित 'तीसरे फैक्टर' के प्रवेश पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। इस सीट से अभिनेत्री से राजनेता बनीं मौजूदा सांसद नवनीत कौर-राणा महायुति-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। वहीं महा विकास अघाड़ी-इंडिया ब्लॉक से कांग्रेस विधायक बलवंत बी वानखड़े खड़े हैं। वीबीए को नाराज करते हुए रिपब्लिकन सेना के अध्यक्ष आनंदराज आंबेडकर अचानक चुनाव मैदान में कूद पड़े और तीन दिन पहले नामांकन कर दिया। लेकिन गुरुवार को आनंदराज आंबेडकर का अचानक हृदय परिवर्तन हुआ और उन्होंने घोषणा की कि वह विपक्षी वोटों के विभाजन को रोकने लिए प्रकाश आंबेडकर की वीबीए के पक्ष में अपना नामांकन वापस ले रहे हैं।

आंबेडकर भाइयों के बीच कथित गलतफहमी से अजब हालात

आनंदराज आंबेडकर ने कहा कि अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है कि मैं इस सीट से चुनाव लड़ूंगा या नहीं, मेरी पार्टी तय करेगी कि क्या करना है। एक अन्य पत्र में वीबीए और रिपब्लिकन सेना ने आंबेडकर भाइयों के बीच कथित गलतफहमी से उत्पन्न हालात के लिए एक-दूसरे पर उंगली उठाई है। भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ बीआर आंबेडकर के वंशजों के नेतृत्व वाली दलित समर्पित दो पार्टियों की इस स्थिति से दलितों के लिए आरक्षित संसदीय क्षेत्र में अंबेडकर चुनाव से बाहर हो सकते हैं।

वीबीए से समर्थन मांगा

दरअसल एक बयान में उन्होंने बताया कि उन्होंने वीबीए से समर्थन मांगा था। लेकिन वीबीए ने उनके प्रस्ताव पर कोई जवाब नहीं दिया, इसलिए उन्होंने वीबीए के उम्मीदवार प्राजक्ता टी पिल्लेवान और अन्य उम्मीदवारों के खिलाफ अमरावती (एससी) में चुनाव लड़ने का फैसला किया। आनंदराज आंबेडकर के चुनाव लड़ने और फिर हटने के फैसले के कुछ घंटों बाद वीबीए की राज्य अध्यक्ष रेखा ठाकुर ने एक बयान जारी कर उन्हें अपना समर्थन दिया और उनसे अपनी उम्मीदवारी वापस नहीं लेने को कहा।

ऐसे में वर्तमान स्थिति दोनों गुटों के लिए शर्मनाक हो गई है। आनंदराज आंबेडकर का दावा है कि उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया है। उधर वीबीए के उम्मीदवार प्राजक्ता टी पिल्लेवान ने चार अप्रैल की आखिरी तारीख से पहले अपना नामांकन दाखिल नहीं किया था।

कांग्रेस के घोषणापत्र को बावनकुले ने बताया केवल चुनावी वादा

मुंबई/नागपुर। रामटेक व यवतमाल लोकसभा क्षेत्र में शिवसेना शिंदे गुट के नए उम्मीदवारों को लेकर चल रही चर्चाओं पर भाजपा ने सीधे जवाब देने से किनारा किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि उम्मीदवारों को लेकर तीनों प्रमुख मित्रदलों की चर्चा तो हुई है। लेकिन जो निर्णय लिए गए उसके लिए भाजपा कोई जवाब नहीं दे सकती है। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र को बावनकुले ने केवल चुनावी वादा ठहराया है। शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बावनकुले बोल रहे थे। रामटेक में सांसद कृपाल तुमाने व यवतमाल में सांसद भावना गवली के दावों को खारिज करते हुए शिवसेना शिंदे गुट की ओर से अन्य उम्मीदवार तय किए है। इस संबंध में दावो किए जा रहे हैं कि भाजपा के दबाव में शिवसेना शिंदे गुट को उम्मीदवार बदलना पड़ रहा है। बावनकुले ने कहा कि महायुति में किसी भी दल को किसी पर दबाव नहीं है।

शिवसेना शिंदे के उम्मीदवार को लेकर भाजपा के पास जवाब नहीं

उम्मीदवार के संबंध में एकनाथ शिंदे, अजित पवार के साथ बैठक में मैं भी शामिल रहा हूं। भाजपा की ओर से उम्मीदवार बदलने को नहीं कहा गया। शिवसेना व राकांपा के लिए छोड़ी गई सीट पर उम्मीदवार तय करने से भाजपा का संबंध नहीं है। भाजपा ने सर्वे व अन्य जानकारियों के आधार पर उम्मीदवार तय किए है। शिवसेना व राकांपा के उम्मीदवार तय करने के संबंध में शिंदे व पवार ही जानकारी दे सकते हैं। कांग्रेस ने 400 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा कर्नाटक में भी किया था। घर-घर जाकर शपथपत्र लिखवाए गए थे। लेकिन उन वादों का पालन नहीं हो पाया है। कांग्रेस कमजोर हो रही है। संजय निरुपम के कांग्रेस छोड़ने के विषय का जिक्र करते हुए बावनकुले ने कहा कि कांग्रेस में असंतोष है। भाजपा में प्रवेश करने के लिए सभी का स्वागत है। भाजपा में आने पर संबंधित नेता व कार्यकर्ता को भाजपा की विचारधारा के अनुरुप कार्य करना पड़ता है।

संपादकीय

कांग्रेस का न्याय पत्र

लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है, जिसे 'न्याय पत्र' का नाम दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी का घोषणा पत्र जारी करते हुए 25 गारंटी दी हैं। कांग्रेस ने महिला, किसान, बेरोजगार और नौजवानों को साधने के लिए बड़ा दांव चला है। सत्ता में आने से देश में जातिगत जनगणना कराने और आरक्षण की 50 फीसदी लिमिट को समाप्त करने का वादा किया है। कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के जरिए 2024 का एजेंडा सेट करने की कोशिश की है, जो बीजेपी की टेंशन ही नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन में शामिल कई दलों के लिए चिंता का सबब बन सकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में कहा है कि आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग की आबादी लगभग 70 फीसदी है, लेकिन अच्छी नौकरियों, अच्छे व्यवसायों और ऊंचे पदों पर उनकी भागीदारी कम है। किसी भी आधुनिक समाज में जन्म के आधार पर असमानता और भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है, ऐसे में कांग्रेस सत्ता में आने पर जातिगत जनगणना कराएगी और आरक्षण की 50 फीसदी लिमिट को खत्म करके सामाजिक असमानता की खाई को पाटने का काम करेगी। सामाजिक न्याय की दिशा में कदम बढ़ाकर कांग्रेस ने ओबीसी राजनीति पर आगे बढ़ने की रणनीति बनाई है। बता दें कि आजादी के बाद से कांग्रेस की पूरी सियासत उच्च जातियों और गरीबों के इर्द-गिर्द सिमटी रही है। कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक दलित-मुस्लिम-ब्राह्मण हुआ करता था। कांग्रेस इन्हीं जातीय समीकरण के सहारे लंबे समय तक सियासत करती रही है। पारंपरिक रूप से कांग्रेस को पिछड़े वर्ग और आरक्षण का विरोधी माना जाता रहा है और बार-बार राजीव गांधी के दिए उस भाषण का भी हवाला दिया जाता है, जिसमें उन्होंने लोकसभा में मंडल कमीशन की रिपोर्ट को लागू करने का विरोध किया था। मंडल कमीशन के बाद देश की सियासत ही पूरी तरह से बदल गई और ओबीसी आधारित राजनीति करने वाले नेता उभरे, जिनमें मुलायम सिंह यादव से लेकर लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार जैसे मजबूत क्षत्रप रहे। देश में ओबीसी सियासत इन्हीं नेताओं के इर्द-गिर्द सिमटती गई और कांग्रेस धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिए पर पहुंच गई। कांशीराम की दलित और सामाजिक न्याय राजनीति ने कांग्रेस का सियासी खेल ही बिगाड़ दिया। बीजेपी की राम मंदिर पॉलिटिक्स उभरी। ऐसे में मुस्लिम से लेकर दलित और ब्राह्मण वोटर कांग्रेस से खिसक गए। कांग्रेस की उच्च जातीय सियासत के चलते ओबीसी समुदाय की तमाम जातियां उसका विरोध करती रही हैं। इसी विरोध में ओबीसी नेताओं ने कांग्रेस के खिलाफ खुद की सियासत खड़ी। कांग्रेस के विरोध में सपा से लेकर आरजेडी और बसपा तक बनी, जिनका सियासी एजेंडा सामाजिक न्याय ही रहा है। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश में ओबीसी राजनीति को लेकर आगे बढ़े। कांशीराम ने देशभर में दलित और अति पिछड़ों के बीच सियासी चेतना जगाने का काम किया। आरजेडी के संस्थापक लालू प्रसाद यादव की पूरी पॉलिटिक्स ओबीसी केंद्रित रही और बिहार में अपना सियासी आधार बनाया। इसके अलावा डीएमके की पूरी सियासत शुरू से ही सामाजिक न्याय पर आधारित रही है। कांग्रेस की रणनीति के लिहाज से ओबीसी काफी अहम हैं, जिसके चलते ही पार्टी अपना पूरा फोकस पिछड़ा वर्ग पर करने की रणनीति बनाई है। मंडल कमीशन के लिहाज से देखें तो करीब 52 फीसदी ओबीसी समुदाय, 16।6 फीसदी दलित और 8।6 फीसदी आदिवासी समुदाय है। इस तरह देश में करीब 75 फीसदी तीनों की आबादी है, जिस पर कांग्रेस की नजर है। देश में दलित, ओबीसी समुदाय किसी भी राजनीतिक दल का चुनाव में खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखते हैं। ऐसे में कांग्रेस सामाजिक न्याय के सहारे उन्हें अपने साथ जोड़ने की कवायद में है, जिसके लिए जातिगत जनगणना और 50 फीसदी आरक्षण लिमिट को खत्म करने का वादा किया है। कांग्रेस अगर ओबीसी समुदाय को साधने में सफल हो जाती है तो बीजेपी ही नहीं ओबीसी की सियासत करने वाली कई क्षेत्रीय दलों के लिए भी सियासी संकट खड़ा हो सकता है।

शख्सियत | दिलीप बलवंत वेंगसरकर

अद्भुत नेतृत्व वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर

6 अप्रैल, 1956 को मुंबई, भारत में पैदा हुए दिलीप बलवंत वेंगसरकर एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं जिन्होंने एक खिलाड़ी और एक प्रशासक के रूप में खेल पर अमिट छाप छोड़ी। अपनी अनुशासित और आधिकारिक बल्लेबाजी शैली के कारण प्यार से स्कर्नलर के नाम से जाने जाने वाले वेंगसरकर अपने युग के सबसे शानदार बल्लेबाजों में से एक थे।

वेंगसरकर ने 1976 में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए पदार्पण किया और जल्द ही खुद को मध्य क्रम में मुख्य आधार के रूप में स्थापित कर लिया। वह अपने शानदार स्ट्रोक प्ले, त्रुटिहीन तकनीक और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पारी को संभालने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध थे। उनके लगातार प्रदर्शन के कारण उन्हें रद कर्नलर उपनाम मिला।

वेंगसरकर की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक 1986 के इंग्लैंड दौरे के दौरान आई, जहां वह लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के पवित्र मैदान पर लगातार तीन शतक बनाने वाले पहले और एकमात्र भारतीय बल्लेबाज बने। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने खेल के इतिहास में भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया। अपने शानदार करियर के दौरान, वेंगसरकर ने टेस्ट क्रिकेट में प्रभावशाली औसत से 6,000 से अधिक रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। वह एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (वनडे) में भी समान रूप से माहिर थे, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेलीं और कई यादगार जीतों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपनी बल्लेबाजी कौशल के अलावा, वेंगसरकर अपनी अद्भुत क्रिकेट बुद्धि और नेतृत्व गुणों के लिए जाने जाते थे। उन्हें 1980 के दशक के मध्य में एक चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करने का सम्मान मिला, उन्होंने विशिष्टता और लचीलेपन के साथ टीम का नेतृत्व किया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, वेंगसरकर ने विभिन्न पदों पर खेल की सेवा करना जारी रखा। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में प्रमुख प्रशासनिक भूमिकाएं निभाईं, जिनमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के अध्यक्ष के रूप में कार्य करना शामिल है।

भारतीय क्रिकेट में दिलीप वेंगसरकर के योगदान को व्यापक रूप से मान्यता मिली है, और वह खेल के इतिहास में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बने हुए हैं। एक बल्लेबाज, नेता और क्रिकेट प्रशासक के रूप में उनकी विरासत देश भर में महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों और उत्साही लोगों को प्रेरित करती रहती है।

किशोरों के जीवन से खेलती बुरी लत

तकनीकी विकास की करिश्माई देन, मोबाइल फ़ोन अपनी विविधता की उपयोगिता के चलते युवाओं तथा बड़े बुज़ुर्गों से लेकर बच्चों तक का चहेता बन चुका है। अवयस्कों द्वारा सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताना उनके शारीरिक, मानसिक व नैतिक विकास को प्रभावित कर रहा है। मोबाइल के बढ़ते दुष्प्रभावों पर संज्ञान लेते हुए, हाल ही में अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने का ऐलान किया गया। इसके अंतर्गत, 14 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के सोशल मीडिया खातों पर रोक रहेगी। सोशल मीडिया के प्रयोग से पूर्व अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी। नियमोल्लंघन पर संबद्ध छात्र का मोबाइल ज़ब्त करने एवं आदेश पालन सुनिश्चित बनाने हेतु शिक्षकों को बच्चों के बैग सख़्तीपूर्वक जांचने का अधिकार दिया गया है। सुधारात्मक दृष्टिकोण से इसे एक सराहनीय क़दम माना जा रहा है। फ्रांस सरकार पहले ही अपने देश में इससे संबद्ध कानून लागू कर चुकी है। ब्रिटेन के शिक्षा मंत्रालय ने भी कुछ ही समय पूर्व, छात्रों का व्यवहार संयमित करने तथा पढ़ाई पर एकाग्रता बढ़ाने के उद्देश्य से विद्यालयों में मोबाइल फ़ोन के प्रयोग पर पूर्ण पाबंदी लगाने संबंधी निर्देश जारी करते हुए कहा कि पाठशाला में इसका प्रयोग पढ़ाई तथा अन्य गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न करता है। बच्चों में मोबाइल की बढ़ती लत के विषय में भारतवर्ष भी अपवाद नहीं। सोशल मीडिया ने मानो बच्चों का बचपन ही छीन लिया है। परम्परागत खेल खेलने की बजाय मोबाइल पर उंगलियां घुमाना बच्चे मनोरंजन का बेहतर उपाय मानते हैं। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, पांच साल तक के 99 प्रतिशत बच्चे गैज़ेट एडिक्शन के शिकार हैं। अधिक स्क्रीन टाइम बच्चे के लिए कितना घातक सिद्ध हो सकता है, देश के 66 प्रतिशत अभिभावक इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, 65 प्रतिशत परिवार खाना खिलाते समय बच्चों को टीवी-

मोबाइल दिखाते हैं। 12 माह का बच्चा प्रतिदिन 53 मिनट स्क्रीन देखने में बिताता है, 3 वर्ष की उम्र होने तक यह अवधि बढ़कर डेढ़ घंटा हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक़, बचपन में ही मोबाइल की लत लगने से बच्चे अनेक रोगों की चपेट में आने लगते हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ने से शारीरिक गतिविधि कम होती है तथा ओवरइटिंग की आदत पनपती है, जिसके फलस्वरूप मोटापा घेरने लगता है एवं अल्पायु में ही मधुमेह, हृदय रोग आदि गंभीर रोगों से पीड़ित होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताना जहां समूची दिनचर्या को प्रभावित करता है, वहीं बच्चों में आलस्य, अनिद्रा, अवसाद, चिंता, तनाव आदि मानसिक समस्याएं बढ़ाने के साथ ही बेचैनी, झल्लाहट तथा हिंसक प्रवृत्ति उपजाने का भी प्रमुख कारण बनता है। अभिभावकों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय न बिताना उन्हें समाज से अलग-थलग कर, आत्मकेंद्रित तो बनाता ही है, उनकी एकाग्रता को भी प्रभावित करता है। विशेषकर, रील बनाने का आधुनिक प्रचलन अवयस्कों को ऐसी आत्ममुग्धता की ओर धकेल रहा है, जिसमें बहुत बार मर्यादाएं भी तार-तार होती दिखाई पड़ती हैं। गैज़ेट्स पर ज्यादा समय बिताने से बच्चों को बोलने में दिक्कत व समाज में दूसरे लोगों से तारतम्य स्थापित करने में परेशानी महसूस होने लगती है। दूसरे शब्दों में, मोबाइल, टेबलेट, कंप्यूटर आदि का अधिक प्रयोग बच्चों को वर्चुअल ऑटिज़्म का शिकार बना रहा है। मोबाइल टाइम का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव आंखों पर देखने में आया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक़, 20 वर्षों के दौरान छोटे बच्चों में मायोपिया की बीमारी तीन गुणा बढ़ गई। इस संदर्भ में अकेले राजधानी दिल्ली की ही बात करें तो 2001 में बच्चों में आंख से कम दिखने की समस्या 7 प्रतिशत थी जो कि 2011 में बढ़कर 13.5 प्रतिशत तक जा पहुंची। कोविड के पश्चात 2021 में किए गए सर्वेक्षण में 20 से 22 प्रतिशत बच्चे मायोपिया की समस्या से ग्रस्त पाए गए, जिसका सबसे बड़ा कारण बच्चों में बढ़ता स्क्रीन टाइम रहा। सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए अभिभावकों से अपेक्षित है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्वक समय देने के साथ ही उनकी हॉबीज़ को उभारने में भी सहायक बने। फ़ैमिली टाइम के दौरान स्वयं भी मोबाइल से दूरी बनाए रखना निहायत ज़रूरी है। बच्चों को प्रतिदिन 20-30 मिनट साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना एवं बैडमिंटन, क्रिकेट, टेनिस जैसी आउटडोर खेलें खेलने हेतु प्रोत्साहित करना बच्चों को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक रूप से पुष्ट बनाएगा। खेल विशेषज्ञों के अनुसार, रोज़ाना बाहर खेलने से आंखों की रोशनी में सुधार होता है। अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस सरकारों का यह निर्णय निश्चय ही छात्रों के लिए हितकारी है। इससे न केवल वे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे बल्कि मोबाइल फ़ोन पर अनुचित सामग्री देखने से भी बच सकेंगे। अपराधीकरण में प्रवृत्त अवयस्कों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत, भारत जैसे देशों को भी इस संदर्भ में ठोस उपाय ढूंढने चाहिए। बच्चे तो कच्ची माटी की मानिंद हैं, उनके व्यक्तित्व को सही आकार प्रदान करना अभिभावकों, समाज व सरकारों का ही साझा दायित्व है।

दीपिका अरोड़ा

आत्मा की गहराई

माताजी आप देवी हैं, मेरी ये विपदा है। इसके बजाय उसके जो कहें जा रहे हैं उसे समझें, अपनी ही सामान्य बात को ही सोच-सोच कर आप बहकावे में चले गए।

प्रोग्राम में आए थे तो भी कुछ न कुछ अपनी बात कर रहे थे।अरे ! मेरे साथ ये हुआ, मेरे साथ वो हुआ, ऐसा हुआ, ठीक हुआ। और माताजी से मैं कब बताता हूं, मेरी बात क्या हुई? माताजी आप देवी हैं, मेरी ये विपदा है। इसके बजाय उसके जो कहें जा रहे हैं उसे समझें, अपनी ही सामान्य बात को ही सोच-सोच कर आप बहकावे में चले गए। और वो बहकावे में आपको कैंसर की बीमारी हो गई, नहीं तो ये बीमारी हो गई, वो बीमारी हो गई। वैसे ही मानसिक बातें हैं।हम मन से क्या सोच रहे हैं? मन में हमारे कौन से विचार आ रहे हैं? सब यही ना कि हमको ये दुःख है, वो दुःख है, ये पहाड़ है। लेकिन डाकिया को क्या चाहिए – काउंट योर ब्लेसिंगज़ (अपना आशीर्वाद गिनें)। अपने विवरण देखें परमात्मा के।हमें सहज योग मिला है। इसकी धारणा अंदर से होनी चाहिए और उस व्यक्ति को अंदर ही अंदर जाना चाहिए।उसी से ये जो फेयर मर्यादा है सब छूट मिल जाएगी और अगर आप नहीं तोड़ेंगे तो किसी न किसी तरह से ऐसा कुछ आपको अनुभव होगा कि ये टूट जाएगा। जिस चीज को आप सोचेंगे कि ये हमारा अपना है। आप कहें हम दिल्ली वाले हैं। एक दिन ऐसा आएगा कि दिल्ली वाले ही आपको ठिकाने लगेंगे। आप बोलेंगे हम नोएडा वाले, तो नोएडा वाले आपकी बंदूक के पीछे लग जाएंगे। तब आपकी समझ आ जाएगा कि मैं क्यों कह रहा था कि मैं नोएडा वाला हूं? फिर जब आप दौड़ेंगे दिल्ली वालों की तरफ तो दिल्ली वाले बोलेंगे, "तुम तो नोएडा वाले हो तुम क्यों आए शोक?" तो न घर के, न घाट के, ये हालत आपकी हो सकती है। यही कारण है कि आपका चित्त ही ऐसा है, जो न घर का, न घाट का। जब तक इतनी गहराई में नहीं उतरेंगे, तब तक जब तक आप अपनी अगर सहजयोगिनी और सहजयोगी कहते हैं, तो भी मैं इस चीज को नहीं मानता। क्योंकि सहजयोगी के पहले लक्षण ये हैं कि वो शांत चित्त होता है और अत्यंत सबल – किसी से डरता नहीं है। सबल है। और उसका जीवन अत्यंत शुद्ध होता है, उसका शरीर शुद्ध होता है, उसका मन शुद्ध होता है। और आत्मा के प्रकाश से वो पूरी दुनिया में प्रेम की कल्पना करता है। जो आदमी प्यार नहीं कर सकता वो हमारी सोच से सहजयोगी बिल्कुल ही नहीं, वो तो पहली ही सीढ़ी चढ़ी नहीं।जैसे आकाश में आप देखते हैं कि बहुत सी पतंगे चल रही हैं, लेकिन वो किसी के हाथ में होती हैं।

जीवन ऊर्जा | परमेश कृष्णन नायर : जन्म 6 अप्रैल 1933 | जन्म

परमेश कृष्णन नायर (पी॰के॰ नायर) जन्म 6 अप्रैल 1933 तिरुवनंतपुरम, केरल में हुआ था। वह एक भारतीय फ़िल्म अभिलेखक थे। उन्होंने पुरानी फिल्मों को संजोने के लिए वर्ष 1964 में पुणे में राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय शुरू किया। उन्होंने इस संग्रहालय में 12,000 फिल्मों को संग्रहीत किया जिसमें से 8,000 भारतीय फिल्में हैं। उनके एक शिष्य शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर ने उनके जीवन पर वर्ष 2012 में 'सेलूलॉइड मैन' नाम की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई थी। उनकी मृत्यु 4 मार्च 2016 पुणे, महाराष्ट्र हुई

भारतीय फिल्म निर्माता सामाजिक दायित्व निर्वाह करने में अक्षम हैं

आदि मानव ने पेट के लिए भोजन की और बारिश व तेज सूरज से बचने के लिए अपने सर पर एक छत की ज़रूरत पूरी हो जाने पर महसूस किया कि जीवन कुछ अधूरा है । भावनात्मक और वैचारिक आदान प्रदान के बिना जीवन सूना-सूना लगता है। अपने साथियों के मौजूद न होने पर, आदि मानव ने, इससे पहले कि वह भूल जाए, अपने साथियों को बताने के लिए, उन अभिव्यक्तयों को दर्ज करने की ज़रूरत महसूस की । सक्रियता और क्रिया-कलाप जीवन का सार तत्व है। हम सभी जानते है मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। सभी व्यक्तियों के कर्तव्य और दायित्व निश्चित होते थे। सबसे पहले परिवार, पति, पत्नी, माता-पिता और बच्चों के लिए, तदनंतर पड़ोसी के प्रति, और उसके बाद समूचे समाज के लिए। समाज का अंग होने के कारण व्यक्ति अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में समाज के प्रति जिन विशेष दायित्वों से सहज ही बंध जाता है। मानव विकास की उस आदि मानसिकता से जकडे हुए हैं कि सिनेमा मात्र एक मनोरंजन का ही साधन है। कोई भी अपनी इस अपरिपक्व मानसिकता को बदलना नहीं चाहता और यह एक तरफा दृष्टिकोण व्यर्थ के

अजीबोगरीब फिल्मों के निर्माण का कारण बन जाता हैं। भारतीय फिल्म निर्माता सामाजिक दायित्व निर्वाह करने में अक्षम हैं। लोगों में शिक्षा और सामाजिक चेतना जाग्रत करने का काम स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का है। फिल्म निर्माता के रूप में हमारा सबसे पहला दायित्व देश के करोड़ों लोगों को पलायनवादी मनोरंजन देने का है। दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद व्यक्ति संसारी झंझटों और चिंताओं से दूर होकर, इस इच्छा से फिल्म का टिकिट खरीदता है कि स्वयं को मनोरंजन की दुनिया में डुबोकर, अगले दिन के लिए तरोताजा हो सके। हमारी फिल्मों में बुराई हारती है और अच्छाई जीतती है। निदेशकों का कार्य जीवन की ज़मीनी समस्याओं के काल्पनिक या सजे धजे मीठे मीठे थोथे समाधान देना नहीं होता, उनका कार्य अधिक से अधिक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे पर टिप्पणी करना।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सफलता की कुंजी के लिए आत्मबल विकसित करें

धजब हम पैदा होते हैं, तो हमारे पास आनुवंशिक संरचना और जैविक लक्षण होते हैं। हालाँकि, मनुष्य के रूप में हम कौन हैं इसका विकास सामाजिक संपर्क के माध्यम से होता है। प्रकृति बनाम पोषण बहस का तात्पर्य उस 'बहस' से है कि कैसे जैविक कारक और सामाजिक कारक सामाजिक व्यवहार को आकार देते हैं।

१६ बातें समझ लें तो आपका पूर्ण विकास चुटकी में होगा।

(१) आत्मबलः अपना आत्मबल विकसित करने के लिए 'ॐ... ॐ.... ॐ... ॐ... ॐ...' ऐसा जप करें ।

२) दृढ़ संकल्प : कोई भी निर्णय लें तो पहले तीसरे नेत्र पर (भ्रूमध्य में आज्ञाचक्र पर) ध्यान करें फिर निर्णय लें और एक बार कोई भी छोटे-मोटे काम का संकल्प करें तो उसमें लगे रहें ।

३) निर्भयता : भय आये तो उसके भी साक्षी बन जायें और उसे झाड़कर फेंक दें । यह सफलता की कुंजी है।

४) ज्ञान : आत्मा-परमात्मा और प्रकृति का ज्ञान पा लें । यह शरीर 'क्षेत्र' है और आत्मा 'क्षेत्रज्ञ' है । इस शरीररूपी खेत के द्वारा हम कर्म करते हैं अर्थात् बीज बोते हैं और फिर उसके फल मिलते हैं । तो हम क्षेत्रज्ञ हैं शरीर को और कर्मों को जाननेवाले हैं । प्रकृति परिवर्तित होनेवाली है और हम एकरस है। बचपन परिवर्तित हो गया, हम उसको जाननेवाले वही-के-वही हैं । गरीबी अमीरी चली गयी, सुख-दुःख चला गया लेकिन हम हैं अपने- आप, हर परिस्थिति के बाप। ऐसा दृढ़ विचार करने से, ज्ञान का आश्रय लेने से आप निर्भय और निःशंक होने लगेंगे ।

५) नित्य योग : नित्य योग अर्थात् आप भगवान में थोड़ा शांत होइये और 'भगवान नित्य हैं, आत्मा नित्य है और शरीर मरने के बाद भी मेरा आत्मा रहता है' इस प्रकार नित्य योग की स्मृति करें

(६) ईश्वर-चिंतन : सत्यस्वरूप ईश्वर का चिंतन करें ।*

(७) श्रद्धा : सत्शास्त्र, भगवान और गुरु में श्रद्धा यह आपके आत्मविकास का बहुमूल्य खजाना है ।

(८) ईश्वर विश्वास : ईश्वर में विश्वास रखें । जो हुआ, अच्छा हुआ, जो हो रहा है, अच्छा है और जो होगा वह भी अच्छा होगा, भले हमें अभी, इस समय बुरा लगता है । विघ्न-बाधा, मुसीबत और कठिनाइयों आती हैं तो विष की तरह लगती हैं लेकिन भीतर अमृत सैंजोये हुए होती हैं । इसलिए कोई भी परिस्थिति आ जाय तो समझ लेना, 'यह हमारी भलाई के लिए आयी है ।' आँधी-तूफान आया है तो फिर शुद्ध वातावरण भी आयेगा। (क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

वीर बालक ध्रुव

'राजा उत्तानपाद की सुनीति और सुरुचि नामक दो भार्याएं थीं । राजा उत्तानपाद के सुनीति से ध्रुव तथा सुरुचि से उत्तम नामक पुत्र हुए । यद्यपि सुनीति बडी रानी थी किंतु राजा उत्तानपाद का प्रेम सुरुचि के प्रति अधिक था । एक बार राजा उत्तानपाद ध्रुव को गोद में लिए बैठे थे कि तभी छोटी रानी सुरुचि वहां आई । अपने सौत के पुत्र ध्रुव को राजा की गोद में बैठे देख कर वह ईर्ष्या से जल उठी । झपटकर उसने ध्रुव को राजा की गोद से खींच लिया और अपने पुत्र उत्तम को उनकी गोद में बिठाते हुए कहा, 'रे मूर्ख! राजा की गोद में वही बालक बैठ सकता है जो मेरी कोख से उत्पन्न हुआ है । तू मेरी कोख से उत्पन्न नहीं हुआ है इस कारण से तुझे इनकी गोद में तथा राजसिंहासन पर बैठने का अधिकार नहीं है । यदि तेरी इच्छा राज सिंहासन प्राप्त करने की है तो भगवान नारायण का भजन कर । उनकी कृपा से जब तू मेरे गर्भ से उत्पन्न होगा तभी राजपद को प्राप्त कर सकेगा । पाँच वर्ष के बालक ध्रुव को अपनी सौतेली माता के इस व्यवहार पर बहुत क्रोध आया पर वह कर ही क्या सकता था? इसलिए वह अपनी मां सुनीति के पास जाकर रोने लगा । सारी बातें जानने के पश्चात् सुनीति ने कहा, 'संपूर्ण लौकिक तथा अलौकिक सुखों को देने वाले भगवान नारायण के अतिरिक्त तुम्हारे दुःख को दूर करने वाला और कोई नहीं है । तू केवल उनकी भक्ति कर ।' माता के इन वचनों को सुनकर वह भगवान की भक्ति करने के लिए निकल पडा । मार्ग में उसकी भेंट देवर्षि नारद से हुई । नारद मुनि ने उसे वापस जाने के लिए समझाया किंतु वह नहीं माना । तब उसके दृढ संकल्प को देख कर नारद मुनि ने उसे 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र की दीक्षा देकर उसे सिद्ध करने की विधि समझा दी । बालक ध्रुव ने यमुना जी के तटपर मधुव नमें जाकर 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र के जाप के साथ भगवान नारायण की कठोर तपस्या की । अल्पकाल में ही उसकी तपस्या से भगवान नारायण उनसे प्रसन्न होकर उसे

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

लोकतंत्र का महा उत्सव 2024

फ्लैशबैक कुछ नारे तो ऐसे बने, जो बच्चों की जुबान पर रट गये थे

अब सुनाई नहीं देते वे चुटीले नारे

बदलते दौर में चुनाव प्रचार के तरीके भी बदल गये हैं। अब चुटीले नारे सुनायी नहीं देते। एक वक्त ऐसा था कि सभी पार्टियां स्थानीय समस्याओं को लेकर नारे तैयार करतीं थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं रहा। एक समय था कि डॉ राम मनोहर लोहिया के 'चार घंटा पेट को, एक घंटा देश को ' के नारे पर पूरा देश उनके साथ चल पड़ा था। कुछ नारे तो ऐसे बने, जो बच्चों की जुबान पर रट गये थे। इनमें 'बीड़ी पीना छोड़ दो, जनसंघ को वोट दो' जैसे नारे शामिल रहे। कार्यकर्ता भी घर से रोटी बांधकर पार्टी और प्रत्याशी का प्रचार करने पैदल ही निकल पड़ता था। आज तो हालात यह है कि बगैर लंच पैकेट और चार पहिया गाड़ी के बिना प्रचार नहीं शुरू होता। चुनाव के आते ही राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर नारे बनते थे। राष्ट्रीय स्तर के नारों में 'एक झंडा, एक निशान, मांग रहा है हिंदुस्तान,' 'संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावे सौ में साठ', 'सबको शिक्षा एक समान, जाग उठा मजदूर किसान', 'जली झोपड़ी भागे बैल, जो देखो दीपक का खेल' के साथ ही लोहिया का एक नारा 'जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं' काफी चर्चित रहा था। 80 के दशक में भ्रष्टाचार के खिलाफ विपक्षी दलों का यह नारा भी काफी चर्चा में रहा। 'खा गयी शक्कर पी गयी तेल, जो देखो सरकार का खेल', ऐसे कई नारे गलियों में गूंजते नजर आते थे।

खूब रंग जमाते थे बुंदेली नारे

दो दशक पहले चुनाव को त्योहार के रूप में मनाया जाता था। चुनाव से पहले नुक्कड़ सभाएं की जाती रहीं। हाथ से लिखे हुए बैनर तैयार किये जाते थे। जो कच्चे व पक्के रंग से बनते थे। साथ ही स्थानीय स्तर पर नारे तैयार किये जाते थे। समाजवादी विचारक लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा ने बताया कि जब सुशीला नैयर चुनाव मैदान में थी, तब 'एक चवन्नी तेल में, नैय्यर पहुंची जेल में' खुब चलन में था। इसके बाद जब भी कोई बुंदेला चुनाव हारते थे, तो 'दाऊ का हलुआ, खा गये ठलुआ' जैसे नारे चलन थे। हालांकि उस समय चुनावी नारों का कोई बुरा नहीं मानता था।

जुबान पर सहज चढ़ जाते थे नारे

- चार घंटा पेट को, एक घंटा देश को
- सबको शिक्षा एक समान, जाग उठा मजदूर किसान
- जली झोपड़ी भागे बैल, जो देखो दीपक का खेल
- खा गयी शक्कर पी गयी तेल, जो देखो सरकार का खेल
- एक चवन्नी तेल में, नैय्यर पहुंची जेल में
- दाऊ का हलुआ, खा गये ठलुआ

उम्मीदवार को जानें

पंकजा मुंडे

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने महाराष्ट्र की बीड लोकसभा सीट पर अपना प्रत्याशी बदला है। पार्टी ने पंकजा मुंडे को चुनावी मैदान में उतारा है और उनकी बहन प्रतिमा मुंडे का टिकट काट दिया है। यह सीट बीजेपी का गढ़ है और पंकजा मुंडे के पिता गोपीनाथ मुंडे भी इसी सीट से जीतकर संसद पहुंचे थे। पंकजा एक बड़ी राजनीतिक परिवार से आती हैं और उनका इलाके में दबदबा है। वह पार्टी की एक बड़ी नेता हैं। उनका जन्म 26 जुलाई 1979 को हुआ है। पंकजा मुंडे को बीजेपी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। वह पार्टी की राष्ट्रीय सचिव हैं। उन्होंने ग्रेजुएशन किया है और एमबीए की पढ़ाई भी की है। वह प्रमोद महाजन की भतीजी हैं। इसके अलावा राहुल महाजन व पूनम महाजन की चचेरी बहन हैं। पंकजा के पिता गोपीनाथ मुंडे 1990 के दशक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री रहे हैं।

बीजेपी नेता पंकजा देवेंद्र फडणवीस सरकार में कैबिनेट मंत्री रही हैं। इसके अलावा उनकी पहचान शुगर फैक्ट्री सेक्टर और बैंक सेक्टर में एक 'बिजनेस वुमन' की है। उन्हें साल 2017 में 'द पावरफुल पॉलिटिशियन' पुरस्कार दिया गया था।

बीड लोकसभा सीट पर किसे-कितने मिले वोट?

चुनाव आयोग के मुताबिक, 2019 के लोकसभा चुनाव में बीड सीट पर उम्मीदवारों की संख्या 20 लाख 45 हजार 405 थी। इस सीट पर 66.12 फीसदी वोटिंग हुई थी। बीजेपी की उम्मीदवार प्रतिमा मुंडे को 6 लाख 78 हजार 175 वोट मिले थे, जबकि एनसीपी के उम्मीदवार बजरंग मनोहर सोनावणे को 5 लाख 9 हजार 807 वोट मिले थे। बीजेपी ने एनसीपी को 1 लाख 68 हजार 368 वोटों के बड़े अंतर के साथ से हराया था।

महाराष्ट्र में पंकजा मुंडे 2014 में बनीं मंत्री

भारतीय जनता पार्टी ने पंकजा मुंडे को साल 2012 में भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। इसके बाद वह 2009 में परली विधानसभा क्षेत्र से चुनकर विधानसभा पहुंचीं। इसके बाद 2014 के चुनाव में भी जीत हासिल की और महाराष्ट्र में कैबिनेट मंत्री बनीं। कांग्रेस ने जून 2015 में आरोप लगाया था कि पंकजा मुंडे चिक्की घोटाले में शामिल थीं। कांग्रेस का कहना था कि उन्होंने फ्लोटिंग टेंडर के बिना खरीद को मंजूरी देकर मानदंडों का उल्लंघन किया है। मुंडे ने भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज कर दिया था। उन्होंने तर्क दिया था कि जब उन्होंने खरीदारी शुरू की थी तब ऑनलाइन टेंडरिंग सिस्टम के लिए कोई नीति मौजूद नहीं थी।

चुनावी खबर

आंध्र प्रदेश : चंद्रबाबू नायडू को नोटिस जारी

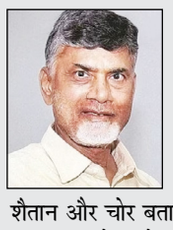

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (TDP) के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू को चुनाव आयोग ने गुरुवार 4 अप्रैल को आचार संहिता उल्लंघन का नोटिस जारी किया। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए कैंपेनिंग के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को जानवर, शैतान और चोर बताया था। नायडू को मामले को 48 घंटे में नोटिस का जवाब देना होगा। नायडू ने जगन के खिलाफ टिप्पणी 31 मार्च को येम्मिगनूर, मार्कापुरम और बापटला की रैलियों में की थी। इसके बाद उनके खिलाफ YSRCP के राज्य महासचिव लैला अप्पी रेड्डी ने शिकायत दर्ज कराई थी।

मध्य प्रदेश : खजुराहो से सपा उम्मीदवार का नामांकन रिजेक्ट

खजुराहो सीट से इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी मीरा दीपनारायण यादव का नामांकन फॉर्म रिजेक्ट हो गया है। नामांकन पत्र के साथ जरूरी दस्तावेज नहीं होने की वजह से पन्ना जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार मिश्रा ने यह फैसला लिया है। इस सीट से बीजेपी ने प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को मैदान में उतारा है।

बिहार : मुकेश सहनी महागठबंधन में शामिल, 3 सीटें मिलीं

बिहार के महागठबंधन में मुकेश सहनी के नेतृत्व वाली पार्टी VIP शामिल हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुकेश सहनी ने ये जानकारी दी। VIP को बिहार की तीन सीटें गोपालगंज, झंझारपुर और मोतीहारी दी गई हैं।

पश्चिम बंगाल : ममता बोलीं- भाजपा की गारंटी जीरो

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अलीपुरद्वार में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की गारंटी जीरो है। उन्होंने 10 साल में कुछ भी नहीं किया। वहीं, केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ने चुनावी हलफनामे में 55 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति घोषित की है। वहीं केंद्रीय मंत्री और थरूर के खिलाफ भाजपा के प्रत्याशी चंद्रशेखरन ने 28 लाख की संपत्ति घोषित की है।

नागपुर लोकसभा सीट

संघ के गढ़ में नितिन गडकरी का 'विकास' से होगा सामना

देश में लोकसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। 19 अप्रैल को कई राज्यों में पहले चरण की वोटिंग होनी है। पहले चरण में जिन राज्यों में वोटिंग होनी है, उनमें एक राज्य महाराष्ट्र भी है, जहां पांच लोकसभा सीटों रामटेक, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गडचिरौली-चिमूर और चंद्रपुर में वोट डाले जाने हैं। इन पांच सीटों में सबसे वीआईपी लोकसभा सीट नागपुर की है। ऐसा इसलिए क्योंकि संतरों की यह नगरी महाराष्ट्र का न सिर्फ तीसरा सबसे बड़ा शहर है, बल्कि राजनीतिक नजरिये से भी इसकी बड़ी अहमियत है। 2024 में नागपुर लोकसभा सीट से वैसे तो कुल 26 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, लेकिन असली व सीधी लड़ाई केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ बीजेपी नेता नितिन गडकरी और कांग्रेस के उम्मीदवार विकास ठाकरे के बीच है। नितिन गडकरी इस सीट से दो बार (2014 और 2019) सांसद रह चुके हैं और बीजेपी ने उन्हें तीसरी बार यहां से टिकट दिया है, जबकि विकास ठाकरे को पहली बार कांग्रेस ने टिकट दिया है। विकास ठाकरे नागपुर पश्चिम विधानसभा सीट से विधायक हैं, लेकिन इस बार नाना पटोले की जगह कांग्रेस ने गडकरी के सामने उन्हें उतारा है।

जातिगत समीकरण में फिट नहीं गडकरी

राजनीतिक विशेषज्ञों की मानें तो इस हाई प्रोफाइल नागपुर संसदीय सीट से महायुति के उम्मीदवार नितिन गडकरी के हैट्रिक लगाने के पूरे आसार हैं। इसकी मुख्य वजह केंद्रीय मंत्री रहते हुए सड़क परिवहन के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य हैं। उनके इन कार्यों की तारीफ खुद उनके विरोधी भी समय-समय पर करते रहे हैं। गडकरी ब्राह्मण हैं। जातिगत समीकरण में फिट नहीं होने के बाद भी कांग्रेस में आपसी मतभेद और अपनी विकास की छवि के कारण गडकरी विदर्भ क्षेत्र की इस सबसे महत्वपूर्ण सीट से दो बार जीत हासिल कर चुके हैं। हालांकि, इस बार उनके लिए थोड़ी चुनौती भी हो सकती है, क्योंकि वंचित बहुजन अघाडी के अध्यक्ष प्रकाश अम्बेडकर ने कांग्रेस उम्मीदवार विकास ठाकरे को अपना समर्थन दिया है। नागपुर में वंचित अघाड़ी के वोटर काफी संख्या में हैं। इसलिए यहां अच्छा मुकाबला देखने को मिल सकता है। बीजेपी को भरोसा है कि तीसरी बार भी नितिन गडकरी 2-3 लाख मतों से नागपुर सीट पर जीत हासिल करेंगे।

कठिन जिम्मेदारी

कभी कांग्रेस की परंपरागत लोकसभा सीट रही नागपुर को बीजेपी ने 2014 में उससे छीन लिया था। कांग्रेस के इस गढ़ को जीतने की कठिन जिम्मेदारी नितिन गडकरी को सौंपी थी। 2014 के चुनाव में नितिन गडकरी ने उस जिम्मेदारी पर खरा उतरते हुए कांग्रेस के विलास मुत्तेमवार को तीन लाख वोटों से हराया था। 2014 में गडकरी को 5,87,766 वोट मिले थे, जबकि विलास मोत्तेमवार को 3,02,939 वोट मिले थे। 2019 में भी इस सीट पर कांग्रेस को फिर निराशा हाथ लगी। 2019 में नितिन गडकरी ने कांग्रेस के नाना पटोले को 2 ।16 लाख वोटों से हराया था। 2019 में कुल 11,87,215 वोट पड़े थे, जिसमें से नितिन गडकरी को 6,60,221 वोट मिले, जबकि नाना पटोले को 4,44,212 वोट मिले थे।

4 विधानसभा सीटों पर बीजेपी का कब्जा है और दो सीटें कांग्रेस के पास

नागपुर सीट पर वैसे तो बीजेपी की स्थिति काफी मजबूत है। लोकसभा क्षेत्र में छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें नागपुर साउथ वेस्ट से राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस खुद विधायक हैं। नागपुर साउथ, नागपुर ईस्ट, नागपुर सेंट्रल सीटों पर भी बीजेपी का कब्जा है। कांग्रेस के पास दो सीटें हैं। इनमें नागपुर वेस्ट से खुद विकास ठाकरे जीते थे। नागपुर नार्थ सीट से कांग्रेस नेता नितिन राउत विधायक हैं। ऐसे में छह में चार विधानसभा सीटों पर बीजेपी का कब्जा है और दो सीटें कांग्रेस के पास हैं।

6 लाख एससी-एसटी वोटर्स

नागपुर की संसदीय सीट की बात करें तो इसके अंतर्गत कुल छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं, जिसमें से दो पर कांग्रेस और चार पर बीजेपी का कब्जा है। नागपुर लोकसभा क्षेत्र की आबादी करीब 40 लाख है, जिसमें युवा मतदाताओं की अच्छी-खासी संख्या है। इस सीट पर ओबीसी, एससी और एसटी मतदाता हमेशा निर्णायक होते हैं। नागपुर लोकसभा सीट पर करीब साढ़े चार लाख एससी वोटर हैं तो वहीं एसटी वोटर दो लाख के करीब हैं। यहां पर मुस्लिम वोटरों की संख्या भी दो लाख के आसपास है। इसके अलावा इस सीट पर तीन लाख से ज्यादा मराठी वोटर, जबकि एक लाख से ज्यादा ब्राह्मण वोटर हैं। नागपुर की लोकसभा सीट पर 1952 से 2019 के बीच 12 बार कांग्रेस के सांसद रहे हैं, लेकिन 2014 के बाद से कांग्रेस को लगातार यहां हार का मुंह देखना पड़ा है। ऐसे में कांग्रेस ने इस बार एक विधायक को टिकट देने का बड़ा खेल खेला है।

विकास ठाकरे पर क्यों खेला दांव?

कांग्रेस पार्टी ने नितिन गडकरी के सामने के विकास ठाकरे को उतार कर चुनौती पेश की है। विकास ठाकरे नागपुर से आते हैं। पार्टी को उम्मीद है कि एनसीपी के साथ शिवसेना उद्धव गुट के समर्थन के चलते पार्टी करीबी टक्कर दे सकती है। ठाकरे पूर्व में नागपुर के मेयर भी रह चुके हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर वे अपरिचित नहीं हैं। उन्हें शहर में लोग जानते हैं। इतना ही नहीं विकास ठाकरे नागपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के भी प्रमुख हैं। नितिन गडकरी पहली बार 2014 में चुने गए तब ऐसा माना गया था कि मोदी लहर के चलते उन्होंने कांग्रेस के नेता विलास मुत्तेमवार को हराया। महाराष्ट्र में बदले समीकरणों में कांग्रेस की कोशिश है कि बीजेपी के हैवीवेट नेता को घेरा जाएगा।

अपराधी, माफिया, दंगाई सपा के हैं घरजमाई : ब्रजलाल

एजेंसी । लखनऊ

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल ने उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी पर करारा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर शुक्रवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ब्रजलाल ने कहा कि अपराधी, माफिया व दंगाई सपा के घरजमाई हैं। सपा दलित विरोधी है। इनका इतिहास अपराधों से भरा है।

बूथ कैप्चरिंग इनकी आदत है

ब्रजलाल ने कहा कि बूथ कैप्चरिंग इनकी आदत है। सपा नेता शिवपाल यादव के बयान से उनकी मानसिकता उजागर होती है। चुनाव में जनता ठीक से इनका हिसाब लेगी। अखिलेश यादव की उपस्थिति में कन्नौज से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के टुकड़े-टुकड़े कर देने का बयान से इनकी गुंडई सिर चढ़कर बोल रही है। इनकी हरकतों को उत्तर प्रदेश की जनता ने झेला है। 2022 में सपा को जीत का अहंकार था। इनके कार्यकर्ताओं ने प्रदेशभर में अराजकता का माहौल पैदा किया।

सपा की अराजकता के खिलाफ वोट

उन्होंने कहा कि यूपी की जनता लगातार सपा की अराजकता के खिलाफ वोट कर रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा 80 की 80 लोकसभा सीटें जीतेगी। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार चला रहे हैं। वह बखूबी गुण्डों माफियाओं का इलाज करना जानते हैं। भाजपा सरकार में माफिया सिर नहीं उठा सके। प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव,प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित एवं सह मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे मौजूद रहे।

महाकुम्भ-2025

नए पावर स्टेशन, नई लाइनें से जगमग होगी कुम्भनगरी

एजेंसी । प्रयागराज

संगमनगरी में महाकुम्भ-2025 को लेकर तैयारियां तेजी से धरातल पर उतरने लगी हैं। योगी सरकार की मंशानुरूप शासन स्तर पर हर कार्य पर पैनी नजर रखी जा रही है। महाकुम्भ क्षेत्र में बिजली, सड़क और पानी की बुनियादी व्यवस्था के साथ अन्य कार्यों में तेजी से प्रगति हो रही है। बिजली की व्यवस्था सुचारु रूप से करने के लिए नए पावर स्टेशन स्थापित करने के साथ नई लाइनें बिछायी जा रही हैं।

अखाड़ों के पेशवाई मार्ग पर बिछायी जा रही अंडर ग्राउंड केबल

महाकुम्भ की शुरुआत हिन्दू सनातन धर्म के अखाड़ों से निकलने वाली शोभा यात्रा पेशवाई से होती है। इसमें अलग-अलग अखाड़े शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए लाव लश्कर के साथ भव्य जुलूस के साथ कुम्भ क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। पेशवाई के इन मार्गों में बिजली के पोल अक्सर असुविधा बनते हैं, ऐसे में इन्हें हटाया जा रहा है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पेशवाई के सभी मार्गों से बिजली के पोल हटाए जा रहे हैं। इसके लिए रक्षा मंत्रालय से अनुमति प्राप्त हो चुकी है। अब कुम्भ क्षेत्र के परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में अंडर ग्राउंड केबिल बिछाने का कार्य रफ्तार पकड़ चुका है। इसी तरह ट्रिपल आईटी चौराहे से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड केबल बिछाई जा रही है।

राजस्थान

आवारा कुत्तों ने बच्ची को नोंच-नोंच कर मार डाला

उदयपुर। उदयपुर शहर में कुत्तों को लेकर लगातार लोगों की परेशानी सामने आ रही है। शुक्रवार को तो कुत्तों को लेकर एक दर्द भरी घटना सामने आई। कुत्तों ने शुक्रवार सुबह एक चार साल की बच्ची को नोंच-नोंच कर मार डाला। हादसा अम्बामाता थाना क्षेत्र का है जहां मध्य प्रदेश के सागर का रहने वाला परिवार रमजान में यहां मल्लातलाई स्थित मस्तान बाबा दरगाह पर जियारत के लिए आया हुआ है। सागर निवासी नदीम खान शुक्रवार को जुमे की तैयारी के चलते सुबह जल्दी उठकर सुलभ कॉम्प्लेक्स गया। साथ में उसकी चार साल की बेटी रेशमा भी थी। सुबह करीब साढ़े सात बजे बेटी को नहला कर और तैयार कर नदीम ने उसे सुलभ कॉम्प्लेक्स परिसर में बैठा दिया। फिर वह स्वयं नहाने चला गया। इसी दौरान बच्ची खेलते-खेलते सुलभ कॉम्प्लेक्स के बाहर आ गई। बाहर मौजूद कुत्तों के झुंड ने बच्ची पर हमला कर दिया और उसे बुरी तरह नोंच डाला। बच्ची की पुकार सुनकर नदीम व अन्य लोग दौड़कर वहां पहुंचे। कुत्तों को भगाकर वे गंभीर घायल बच्ची को अस्पताल लेकर दौड़े। लेकिन, तब तक बच्ची ने दम तोड़ दिया।

लाखों की क्रिप्टो डेटा सर्वर मशीनों की लूट

जोधपुर। निकटवर्ती उचियारडा स्थित नांदड़ा बाईपास रोड पर एक मकान में क्रिप्टो डेटा मशीनों की लूट हो गई। मशीनों के लिए तैनात चौकीदार को गन पाइंट पर लूट की गई। मौका स्थल से 12 मशीनों के साथ एक लैपटॉप, कैमरा और चौकीदार का मोबाइल भी ले गए। वारदात में दो लोगों का हाथ होना बताया गया है जबकि स्कार्फ पहन कर आए और चौकीदार को बंधक बना गए। एक मशीन का वजन 15-20 किलो के आसपास है। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने इसमें गहनता से तफ्तीश आरंभ की है। मशीनों की कीमत लाखों में बताई जाती है। महादेव नगर पाल रोड निवासी शरद पुत्र विजय कुमार बोराना की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि उसने एक मकान उचियारड़ा गांव की सरहद में नांदड़ा बाइपास पर किराए पर ले रखा है। मकान में क्रिप्टो मशीनें लगा रखी है जोकि डेटा सर्वर का काम करती है। इन मशीनों की देखभाल एवं सुरक्षा के लिए दो चौकीदार अथवा गार्ड दौलाराम देवासी और सत्यनारायण को लगा रखा है।

गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी ने की गोसेवा

एजेंसी । लखनऊ

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव के दायित्वों की व्यस्तता के बीच गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोसेवा में रमे रहे। गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में जाकर उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया।

गोसेवा मुख्यमंत्री योगी की दिनचर्या

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोशाला भ्रमण और गोसेवा मुख्यमंत्री योगी की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। शुक्रवार सुबह भी मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने, अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद मुख्यमंत्री योगी गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। योगी की आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए।

गोशाला के कार्यकर्ताओं से ली जानकारी

मुख्यमंत्री योगी ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से रोटी और गुड़ खिलाया। इस दौरान एक गोवंश एक छोटे से गेट के बाहर खड़ा था, जबकि कुछ गाय गेट के अंदर की तरफ थीं। इस पर योगी ने उसके मनोभाव को समझते हुए कहा-तेरी माई वहां है क्या। फिर उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और उसे तथा गेट के अंदर मौजूद गायों को गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और गर्मी के मौसम में विशेष देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने में जुटे शिवपाल

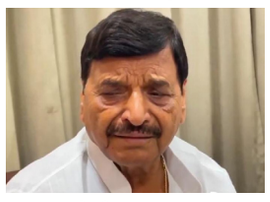

एजेंसी । लखनऊ

लोकसभा चुनाव के बीच समाजवादी पार्टी में अंतर्कलह और रूठों को मनाने के लिए राष्ट्रीय महासचिव और वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने कमर कस ली है। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने के लिए समन्वय और सामंजस्य बैठाने के लिए खुद आकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत का रास्ता अपनाया है।

अंतर्कलह से जूझ रही है समाजवादी पार्टी

समाजवादी पार्टी इन दिनों लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा और कार्यकर्ताओं के बीच चल रही अंतर्कलह से जूझ रही है। इस अंतर्कलह और पार्टी नाराजगी को दूर करने की कमान अब वरिष्ठ नेता और राजनीति में अनुभवी शिवपाल यादव आगे आ गये हैं। खुद को उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को मैनेज की अहम भूमिका को निभाना भी शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत उन्होंने पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक आबिद रजा से कर दी है। आबिद रजा ने चुनाव के दौरान राष्ट्रीय सचिव पद से इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजा था। उन्होंने इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत करते हुए इस्तीफा नामंजूर कराया और आबिद रजा को पार्टी हित में काम करने और लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए राजी कर लिया। इसी तरह सलीम शेरवानी की नाराजगी को दूर करते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि मैं लड़ूं या बेटा, आपको सहयोग करना पड़ेगा। यही नहीं उन्होंने नेताजी और सपा से पुराने रिश्तों का हवाला भी दिया। इस पर शेरवानी ने भी उनकी बात नहीं काटी और कार्यकर्ताओं से चुनाव में जी-जान से जुटने को लेकर तैयारियां तेज कर दी है।

अमेठी लोकसभा सीट पर कांग्रेस को नहीं मिल रहे उम्मीदवार

एजेंसी । अमेठी

देश की वीवीआईपी और हॉट सीट अमेठी लोकसभा-37 पर जहां भारतीय जनता पार्टी ने बहुत पहले ही केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को चुनाव मैदान में पुनः उतारा है तो वहीं कांग्रेस पार्टी ने अभी तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं कर पायी है। इस हालात में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ही आम जनमानस में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। देशवासी अमेठी को नेहरू गांधी खानदान के गढ़ के रूप में देखते हैं। इसके बावजूद अभी तक गांधी परिवार द्वारा इस लोकसभा सीट के प्रत्याशी की घोषणा न करना कहीं ना कहीं अमेठी वासियों को दोयम दर्जे की लाइन में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस पार्टी की प्रत्येक सीईसी की बैठक में लोगों को यह उम्मीद होती है कि इस बार अमेठी लोकसभा से प्रत्याशी की घोषणा की जाएगी। लेकिन जब सूची सार्वजनिक होती है तो अमेठी का नाम न देखकर लोग हताश और निराश हो जाते हैं।

भारतीय जनता पार्टी को बड़ा मुद्दा

लोक सभा सीट अमेठी पर प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग नामों के कयास लगाए जा रहे हैं। कांग्रेस समर्थक कभी राहुल गांधी तो कभी वरुण गांधी तो फिर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की बेटी आराधना मिश्रा उर्फ मोना, अब सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा का नाम सुर्खियों में है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि यह नाम आखिर कब तक चलता है और कब दूसरे अन्य नाम पर संभावनाएं तलाशी जायेगी। वैसे भी अगर अमेठी से रॉबर्ट वाड्रा चुनाव लड़ते हैं तो भारतीय जनता पार्टी को यह बड़ा मुद्दा मिलेगा, क्योंकि वह लगातार परिवारवादी पार्टी के रूप में कांग्रेस का घेराव करती रहती है।

बांदा में कार ऑटो की भिड़ंत में दो की मौत, आठ घायल

एजेंसी । बांदा

गिरवां थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर शाम कार और ऑटो के बीच आमने-सामने भिड़ंत हो गई। ऑटो में सवार चार लोग और कार में छह लोग घायल हो गये। सभी घायलों को उपचार के लिए रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज के दौरान एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। दो की हालत अभी भी गंभीर है।

बांदा अतर्रा मार्ग पर ग्राम महुआ के पास एक कार और ऑटो के बीच गुरुवार की शाम आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। ऑटो में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए और कार में सवार सभी लोगों को चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को ऑटो से निकालकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान ग्राम जमरेही निवासी केसी (55) और नाथू प्रसाद की मौत हो गई। दोनों मृतक ऑटो में सवार थे। ऑटो में ही सवार दो अन्य व्यक्तियों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

'अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं पुस्तक विमोचन आगरा में संपन्न'

एजेंसी । आगरा

आगरा के संजय प्लेस स्थित यूथ हॉस्टल में विस्तार पब्लिकेशंस द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता विख्यात कवि सोम ठाकुर ने की। डा.भीमराव आंबेडकर विवि के पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो.लवकुश मिश्रा समारोह के मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि साहित्यसेवी आदर्श नंदन गुप्त थे जो देश के जाने माने संपादक एवं रिपोर्टर रह चुके हैं। इस अवसर पर सोम ठाकुर ने एक-एक अक्षर इतिहास है, उसे संवारने की बात कही वहीं पर डा.लवकुश मिश्रा ने इस तरह के कार्यक्रमों को समाज की एकता के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर विस्तार पब्लिकेशन्स की फाउंडर डॉ अल्पना दीक्षित ने कहा कि साहित्य में सकारात्मक सोच ज़रूरी है तभी वह नई पीढ़ी को नये नये संदेश एवं प्रेरणा दे सकेगा। नयी पीढ़ी का किताबों के प्रति खोते जा रहे रुझान के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि किताबें हमारी धरोहर हैं , हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग हैं और इनकी सुरक्षा एवं सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है। वहीं पर विस्तार पब्लिकेशन्स को कॉ फाउंडर अनुराग सक्सेना ने सभी कवियों से सरल और सुगम बाल साहित्य लिखने का अनुरोध किया। काव्य-विस्तार नामक साझा संग्रह का विमोचन किया गया जिसमें 65 रचनाकारों की रचनाएं सम्मलित थीं। इसके अतिरिक्त आठ एकल पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंटरनेशनल ख्याति प्राप्त शायरा एवं जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग कल्याण संस्थान की महा सचिव डा. आरिफा शबनम एवं दिल्ली की सांत्वना गौड़ द्वारा किया गया ।

जमीनी विवाद में भाई ने की भाई की हत्या

प्रतापगढ़। धमोत्तर थाना क्षेत्र के गढ़वेला गांव में जमीनी विवाद के चलते एक व्यक्ति के भाई और भतीजे ने उसकी हत्या कर दी। दोनों ने लाठी-डंडे से इतना मारा कि युवक की मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने इस मामले में पुलिस थाने पहुंच कर दोनों के खिलाफ शिकायत दी है। धमोत्तर थाना अधिकारी हिम्मत बुनकर ने बताया कि गढ़वेला गांव में कारूलाल के दो बेटे नानका (25), अंबालाल (32) और पोते हीरालाल (24) के बीच जमीनी विवाद चल रहा था। बुधवार देर शाम भी तीनों के बीच जमीनी **विवाद में गाली गलौच हुई थी।**

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव

सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार दबाव में कारोबार करता नजर आ रहा है। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। लेकिन बाजार खुलने के तुरंत बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में भी लगातार उतार चढ़ाव होता नजर आया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों का मजबूती के साथ कारोबार

शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, डिवीज लेबोरेट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 1.90 प्रतिशत से लेकर 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बीपीसीएल, लार्सन एंड टुब्रो, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील और एक्सिस बैंक के शेयर 2.58 प्रतिशत से लेकर 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

10 ग्राम सोने का भाव 235 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी । नई दिल्ली

सर्राफा मार्केट में सोने-चांदी के तेवर थोड़े से नरम हुए हैं। गुरुवार को औसत भाव नए ऑल टाइम हाई 69936 रुपये पर पहुंचने के बाद शुक्रवार को 10 ग्राम सोने का भाव 235 रुपये सस्ता होकर 69667 रुपये पर खुला। शादियों के सीजन से पहले चांदी के रेट भी 113 रुपये प्रति किलो घटकर 79224 रुपये पर आ गया है। आईबीजेए ने आज 24 कैरेट सोने की कीमत 69667 रुपये प्रति 10 ग्राम खोला है। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 69388 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 215 रुपये गिरकर 63815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। 10 ग्राम 18 कैरेट गोल्ड का भाव अब 52250 रुपये है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 40755 रुपये पर आ गई है। पिछले 15 दिन में सोना 3422 रुपये महंगा हुआ है। 22 मार्च को सोने का औसत भाव 66245 रुपये प्रति ग्राम था और आज 69667 रुपये पर है। सोने के भाव मार्च में आसमान छूते रहे और अप्रैल में भी उड़ान भर रहे हैं। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा अंधाधुंध खरीदारी की वजह से नए वित्त वर्ष के पहले ही दिन सोना सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर 68964 रुपये पर पहुंचा था।

रिजर्व बैंक का 2024-25 में महंगाई दर 4.50 फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी । मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एक अप्रैल से शुरू चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए महंगाई दर यानी मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.50 फीसदी पर बरकरार रखा। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.40 फीसदी के अनुमान से कम है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यहां चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद फैसले की जानकारी देते हुए यह बात कही। दास ने कहा कि मानसून की स्थिति को सामान्य मानते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर 4.50 फीसदी रहने का अनुमान है।

पहली तिमाही में खुदरा महंगाई

शक्तिकांत दास ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में खुदरा महंगाई दर 4.90 फीसदी, दूसरी तिमाही में 3.80 फीसदी, तीसरी तिमाही में 4.60 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.50 फीसदी रहने की संभावना है। हालांकि, दास ने अप्रैल-जून के बीच खाद्य पदार्थों की कीमतों के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत बताई है।

ईंधन की कीमतों में कमी का असर

शक्तिकांत दास ने कहा कि ईंधन की कीमतों में कमी का असर आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति पर दिखाई देगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने आरबीआई को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति को चार फीसदी के स्तर पर रखने का लक्ष्य दिया है। पिछले महीने मार्च में खुदरा महंगाई दर 5.09 फीसदी रही थी। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयर आज कमजोर मार्केट सेंटिमेंट में भी यह ढाई फीसदी से अधिक उछल गया। उछलकर यह 200 रुपये के काफी करीब पहुंच गया। इसके शेयरों में यह तेजी मार्च तिमाही के शानदार नतीजे की उम्मीद में आई है।

पोल्ट्री की कीमतों में गिरावट के कारण मांसाहारी थाली में 7 फीसदी की कमी

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक शाखा ने कहा कि प्याज, आलू और टमाटर की कीमतों में वृद्धि के कारण मार्च में शाकाहारी थाली की कीमत महंगी हो गई। मार्च में कीमत में 7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि पोल्ट्री की कीमतों में गिरावट के कारण मांसाहारी थाली में 7 फीसदी की गिरावट आई।क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने अपनी मासिक रोटी चावल दरद्द रिपोर्ट में कहा कि सब्जी थाली की कीमत - जिसमें रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल हैं - बढ़कर 27.3 प्रति हो गई है।

नॉन-वेज थाली की कीमत हुई कम

प्याज और आलू की कम आवक और कम आधार के कारण प्याज, टमाटर और आलू की कीमतों में सालाना आधार पर क्रमश: 40 प्रतिशत, 36 प्रतिशत और 22 प्रतिशत की वृद्धि के कारण शाकाहारी थाली की लागत में वृद्धि हुई है। टमाटर के लिए पिछले वित्तीय वर्ष में, "रिपोर्ट में कहा गया है। चावल की कीमतों में भी 14 फीसदी और दालों की कीमतों में 22 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। नॉन-वेज थाली के मामले में, जिसमें दाल की जगह चिकन ले लेता है, कीमत घटकर 54 .9 हो गई> जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 59 .2 थी। हालांकि, फरवरी से पहले के 54 प्रति थाली की तुलना में यह अधिक था। इसमें कहा गया है कि गिरावट का कारण ब्रॉयलर की कीमतों में 16 प्रतिशत की गिरावट है, जिसका कुल मूल्य में 50 प्रतिशत भार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी में रमजान का पवित्र महीना शुरू होने के कारण ब्रॉयलर की कीमतों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

यूपीआई के जरिए कर सकेंगे कैश डिपॉजिट

एजेंसी । मुंबई

अब आप ज्ल्द ही यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए नकदी जमा करने वाली मशीन में कैश डिपॉजिट कर पाएंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा की घोषणा करने के दौरान यह ऐलान किया।

शक्तिकांत दास ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठक की समीक्षा पेश करते हुए कहा ''एटीएम में यूपीआई के जरिए कार्ड-रहित नकद निकासी से प्राप्त अनुभव को देखते हुए यूपीआई का उपयोग करके नकदी जमा करने वाली मशीन (सीडीएम) में पैसा जमा करने की सुविधा भी प्रदान करने का प्रस्ताव है।" आरबीआई गवर्नर ने कहा कि आरबीआई इन उपायों के बारे में जल्द ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। उन्होंने यह कदम ग्राहकों के लिए चीजें सुगम और बैंकों में मुद्रा प्रबंधन प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाएगा। इसके अलावा प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पीपीआई) कार्ड धारकों को बैंक खाताधारकों की तरह तीसरे पक्ष के यूपीआई ऐप के जरिए यूपीआई भुगतान करने की सुविधा देने का भी प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इससे ग्राहकों के लिए चीजें और आसान होंगी और छोटी राशि के लेन-देन के लिए डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा मिलेगा। आरबीआई अगर यूपीआई से नकदी जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराता है, तो आपको जेब में कार्ड रखने की समस्या से आजादी मिल सकती है। इससे एटीएम कार्ड रखने, खोने या बनवाने की समस्या भी दूर हो जाएगी।

राजस्थान और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का एक जैसा हाल

गुलाबी शहर में कौन लगाएगा जीत का चौका ?

एजेंसी । जयपुर

आईपीएल 2024 के 19वें मुकाबले में शनिवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू के बीच टक्कर होगी। राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल के इस सीजन में आगाज धमाकेदार रहा है। टीम ने अबतक 3 मैच खेले हैं और तीनों में ही जीत दर्ज की है और पॉइंट्स टेबल में राजस्थान की टीम 6 अंक के साथ दूसरे पायदान पर है। वहीं, आरसीबी ने अबतक 4 मैच खेले हैं और इसमें से सिर्फ एक में जीत हासिल की है और तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम पॉइंट्स टेबल में 2 अंक के साथ 8वें स्थान पर है। दोनों टीमों के पिछले मुकाबलों की अगर बात करें तो आरसीबी को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जबकि राजस्थान ने अपने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से शिकस्त दी थी।

दोनों की एक जैसी कमजोरी

राजस्थान चैलेंजर्स कमजोरी है। सीजन में चल नहीं छोड़ दें तो आरसीबी ग्लेन मैक्सवेल, रॉयल्स और रॉयल बैंगलुरू की एक जैसी दोनों का ही टॉप ऑर्डर इस रहा। विराट कोहली को के लिए फाफ डुप्लेसी, कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार इस सीजन में अपने कद के मुताबिक नहीं खेल पाए हैं। सिर्फ विराट कोहली लय में दिख रहे। उन्होंने 2 अर्धशतक ठोके हैं। राजस्थान रॉयल्स का भी ऐसा ही हाल है। यशस्वी जायसवाल से इंग्लैंड के खिलाफ धमाकेदार टेस्ट सीरीज के बाद आईपीएल में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद थी। लेकिन, वो तीन मैच में 39 रन ही बना पाए हैं। वहीं, जोस बटलर का भी ऐसा ही हाल रहा। उन्होंने भी 3 मैच में 35 रन बनाए हैं। राजस्थान की बल्लेबाजी रियान पराग (181 रन, दो अर्धशतक) और संजू सैमसन (109 रन, 1 फिफ्टी) के इर्द-गिर्द घूम रही।

आरसीबी की गेंदबाजी फीकी

आरसीबी की गेंदबाजी में धार नजर नहीं आई है। मोहम्मद सिराज अभी तर बेरंग नजर आए हैं। वो 10 रन प्रति ओवर की दर से रन दे रहे। अल्जारी जोसेफ और उनके रिप्लेसमेंट रीस टॉप्ली भी हर ओवर में 9 रन लुटा रहे। ऐसे में राजस्थान के बैटर इसका फायदा उठा सकते हैं।

पिच का हाल

सवाई मानसिंह स्टेडियम, जिसे पहले चोगन स्टेडियम के नाम से जाना जाता था, आईपीएल 2024 में इस वेन्यू पर होने वाले कुल पांच मैचों में से सीजन के अपने तीसरे गेम की मेजबानी कर रहा है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए 54 मैचों में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम 62 .96% बार जीती है, जबकि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम केवल 37 .04% मैच ही जीत पाई है। सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल होने के लिए प्रसिद्ध है, जिससे हाल के आईपीएल सीज़न में कई होई स्कोरिंग मैच हुए हैं।

राजस्थान की गेंदबाजी मजबूत

राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी आरसीबी के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। ट्रेंट बोल्ट,नांद्रे बर्गर और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अब तक अच्छी लय में गेंदबाजी की है। तीनों ने कुल 16 विकेट लिए हैं। ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए इम्तिहान होगा।

RR vs RCB हेड टू हेड रिकॉर्ड

दोनों टीमों के बीच खेले गए मैच : 30
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा जीते गए मैच : 15
राजस्थान रॉयल्स द्वारा जीते गए मैच : 12
मैच जिनका कोई नतीजा नहीं निकला : 03

राजस्थान रॉयल्स संभावित 11: यशस्वी जयसवाल, जोस बटलर, संजू सैमसन(कप्तान और विकेटकीपर), रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, अवेश खान, नंद्रे बर्गर, युजवेंद्र चहल, शुभम दुबे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु संभावित 11: फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, कैमरून ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत (विकेटकीपर), रीस टॉप्ली, मयंक डागर, मोहम्मद सिराज, यश दयाल, महिपाल लोमरोर

मुंबई के मैदानों से

आज से रेसिंग कॉर्निवाल की शुरुआत

मुंबई। मुंबई घुड़दौड़ सत्र 2023-24 का यह अंतिम सप्ताहंत है। पिछले साल की तर्ज पर इस बार भी महालक्ष्मी रेसकोर्स पर इंडियन रेसिंग कॉर्निवाल के माध्यम से इसको बड़े शानदार ढंग से आयोजित करने की योजना रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब ने बनाई है, जिसमें राम श्रॉफ और उद्योगपति जवारे पूनावाला की मुख्य भूमिका है। दोनों दिन मिलाकर 14 दौड़ों का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए कुल ईनामी राशि तीन करोड़ दांव पर लगी है। विशेष बात यह कि घुड़दौड़ शौकीनों को एक बार फि वंडर फिली जुलिएट महालक्ष्मी रेसकोर्स पर नज़र आना वाली है। जुलिएट रविवार को आयोजित सी एन वाडिया गोल्ड कप में हिस्सा लेगी। शनिवार को कुल सात दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। पहली दौड़ शाम 4.45 आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैं। 1- गैलोपिंग ग्लोरी (प्र.), लियो द लॉयन (द्वि.), 2- किमिको (प्र.), मल्टीवर्स (द्वि.), 3- फोन्टाना (प्र.), स्टॉर प्रॉस्पिरिटी (द्वि.), 4- सेलेस्टियल (प्र.), टच ऑफ गोल्ड (द्वि.), 5- मिस अमेरिकन पै (प्र.), रॉयल मैसूर (द्वि.), 6- टाईम एंड टाईड (प्र.), सन ऑफ गन (द्वि.), 7- बबली बॉय (प्र.), पोर्टोफिनो बे (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम- फोन्टाना।

एनएससीआई पर खेल समारोह

मुंबई। वर्ली स्थित नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया ने महानगर के क्लबों के लिए एक बार फिर खेल समारोह का आयोजन किया है। दस दिनों तक चलने वाले इस समारोह में टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, स्क्वैश, क्रिकेट, तैराकी, फुटबॉल, बॉलीबॉल और स्नूकर एंड बिलियर्ड्स की स्पर्धायें आयोजित की गई है। समारोह में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया, विलिंगडन क्लब, बांबे रेसिडेंसी रेडियो क्लब, पी जे हिंदू जिमखाना, जेवीपीजी क्लब, गरवारे क्लब और माटुंगा जिमखाना के खिलाड़ी भाग लेंगे।

कुलदीप यादव को आराम करने की सलाह

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव ग्रोइन इंजरी की वजह से आईपीएल 2024 में पिछले दो मैच नहीं खेल सके थे। दिल्ली का अगला मुकाबला 7 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से है। दिल्ली को यही उम्मीद थी कि इस मैच के लिए कुलदीप फिट हो जाएंगे। लेकिन, उनकी चोट को लेकर अब बड़ा अपडेट आया है। कुलदीप को आराम करने की सलाह दी गई है। लेकिन, कुलदीप कब तक फिट होंगे ये अबतक साफ नहीं हो पाया है।

इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि हां, उन्हें (कुलदीप यादव) कमर में चोट लग गई है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। मुझे यकीन नहीं है कि वह दोबारा कब खेलने के लिए फिट होंगे, लेकिन वह अभी आराम कर रहे। उन्होंने आगे कहा कि इस आईपीएल में बहुत सारे मैच होने हैं इसलिए शुरुआत में कुछ मैचों के लिए आराम करना अच्छा है क्योंकि यह विश्व कप का साल है। फिलहाल, जोखिम की कोई जरूरत नहीं है। फ्रेंचाइजियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे किसी भारतीय खिलाड़ी की परेशानी और चोट संबंधी चिंताओं के बारे में एनसीए को रिपोर्ट करें।

कुलदीप की चोट गंभीर नहीं

हालांकि, चोटिल होने के बावजूद कुलदीप सभी मुकाबलों के लिए टीम के साथ ट्रैवल कर रहे हैं। लेकिन, रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के अगले मुकाबले में उनकी भागीदारी की संभावना नहीं है।

कुलदीप आईपीएल 2024 के दो मैच खेले थे

कुलदीप यादव आईपीएल 2024 के शुरुआती दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेले थे। उन्हें पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलने का मौका मिला था और उन्होंने तीन विकेट झटके थे। लेकिन, इसके बाद वाइजैग में खेले गए पिछले दो मैच में वो चोटिल होने की वजह से नहीं खेले थे।

सेलेक्टर्स की नजर कुलदीप की फिटनेस पर है। आईपीएल 2024 के फौरन बाद वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में टी20 विश्व कप खेला जाना है और कुलदीप इस टूर्नामेंट की टीम में जगह बनाने के मजबूत दावेदार हैं।

प्रज्ञानानंदा ने फिरोजा को ड्रॉ पर रोका

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा से ड्रॉ खेला जबकि डी गुकेश को विदित गुजराती ने ड्रॉ पर रोका। पुरूष वर्ग में पहले दिन चारों मुकाबले ड्रॉ रहे जबकि महिला वर्ग में जोंग्यी तान ने हमवतन टी लेइ को हराया । भारत की आर वैशाली ने हमवतन कोनेरू हम्पी को ड्रॉ पर रोका । रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना ने कैटरीना लागनो से ड्रॉ खेला । वहीं बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा ने अन्ना मुजिचुक को ड्रा. पर रोका।

शाहीन अफरीदी ने कप्तानी से हटाने पर तोड़ी चुप्पी

एजेंसी । नई दिल्ली

शाहीन अफरीदी ने पाकिस्तान की टी20 टीम की कप्तानी से हटाए जाने पर अब चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने कप्तानी जाने को लेकर एक तरह से अपनी नाराजगी जताई है। शाहीन ने लिखा कि मेरे सब्र का इम्तिहान ना लिया जाए और ये दिखाने के लिए मजबूर ना किया जाए कि वो कितने क्रूर हो सकते हैं।

बाबर ने पिछले साल नवंबर में कप्तानी छोड़ी थी

बाबर आजम ने पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप में पाकिस्तान टीम की नाकामी के बाद वनडे और टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। पाकिस्तान लीग स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाया था। बाद में बाबर ने टेस्ट की कप्तानी भी छोड़ दी थी। टेस्ट में शान मसूद को जिम्मेदारी सौंपी गई थी जबकि टी20 में शाहीन के हाथों में टीम की कमान दी गई थी।

बाबर को दोबारा बनाया गया कप्तान

बता दें कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में यू टर्न लेते हुए शाहीन अफरीदी से टी20 टीम की कप्तानी छीनने के बाद बाबर आजम को दोबारा ये जिम्मेदारी सौंप दी। बाबर को वनडे टीम का भी कप्तान बनाया गया है। पीसीबी ने टी20 विश्व कप के 2 महीने पहले ये निर्णय लिया है। शाहीन को पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था और एक सीरीज बाद ही उनकी इस पद से छुट्टी हो गई।

कप्तानी विवाद के बीच शाहीन अफरीदी ने इंस्टाग्राम पर 29 सेंकेड का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें शेर नजर आ रहा। इस वीडियो पर कैप्शन में लिखा है, रमुझे कभी भी ऐसी स्थिति में न रखें जहां मुझे आपको यह दिखाना पड़े कि मैं कितना क्रूर और निर्दयी हो सकता हूं।

आलिया भट्ट राजकुमारी बन चलाएंगी जादू

फिल्म इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक आलिया भट्ट ने अपने अभिनय से हमेशा दर्शकों को प्रभावित किया है। आलिया के पास एक से बढ़कर एक फिल्में हैं, जिनमें वह अभिनय कौशल दिखाती नजर आने वाली हैं। इस बीच अब एक ऐसी खबर आई है, जिसे सुनकर अभिनेत्री के प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, खबर है कि जानी-मानी फिल्म निर्माता गुरिंदर चड्ढा की म्यूजिकल फिल्म में आलिया नजर आ सकती हैं।

'बेंड इट लाइक बेकहम' और 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध गुरिंदर इस समय एक म्यूजिकल फिल्म पर काम कर रही हैं। फिल्म की कहानी भारतीय राजकुमारी के इर्द-गिर्द बुनी जाएगी। गुरिंदर इस फिल्म का निर्माण डिज्नी के तहत कर रही हैं। ऐसे में जिस दिन से फिल्म बनने की खबरें सामने आई हैं, तभी से दर्शकों को इसके कलाकारों के बारे में जानने की उत्सुकता है। कथित तौर पर आलिय इसमें मुख्य किरदार निभा सकती हैं।

काफी समय से चल रही है बातचीत

रिपोर्ट के अनुसार, गुरिंदर काफी समय से आलिया के साथ मुख्य भूमिका निभाने को लेकर चर्चा कर रही हैं। सूत्र ने कहा, रगुरिंदर-आलिया के बीच कुछ समय से बातचीत चल रही है। हालांकि, कास्टिंग पर फैसला इसकी पूरी स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद ही होगा, लेकिन आलिया फिल्म के लिए निर्माता की पहली पसंद हैं।र बता दें, अफवाहें तब से तेज हो गई हैं, जब से गुरिंदर ने लंदन में आलिया के होप गाला में भाग लिया।

2025 में आलिया शुरू करेंगी काम

सूत्र ने आगे कहा, संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में गायक और शिव रवैल की फिल्म में अंडरकवर एजेंट की भूमिका के बाद, अगर वह एक डिज्नी प्रिंसेस बनी तो यह उनके करियर में नया आयाम जोड़ेगा। 'हार्ट ऑफ स्टोन' के बाद हॉलीवुड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में उनका बड़ा कदम होगा।र यह भी बताया गया कि अगर चीजें सही रहीं तो वह 2025 की दूसरी छमाही में गुरिंदर के साथ काम शुरू कर देंगी।

फिल्म 'मैं लड़ेगा' का पहला पोस्टर जारी

26 अप्रैल को होगी रिलीज

एक्टर-राइटर आकाश प्रताप सिंह इस महीने बड़े पर्दे पर एक बेहद दिलचस्प पारिवारिक एक्शन ड्रामा फिल्म लेकर आ रहे हैं। 'मैं लड़ेगा' नामक फिल्म एक छोटे शहर की कहानी है, लेकिन इसका दिल निश्चित रूप से बड़ा है। पारिवारिक ड्रामा के स्पेस में उतरते हुए, 'मैं लाडेगा' एक बेटे की कठिन कहानी को दर्शाती है जो अपने पिता के खिलाफ अपनी मां के सपोर्ट में खड़ा होता है। 'मैं लड़ेगा' एक छोटे शहर के परिवार की कहानी है। जहां मां को लगभग हर दिन अपने पति से घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। और यह अप्रिय माहौल आकाश के किरदार पर एक छाप छोड़ देता है। वह खुद को घर से दूर कर लेता है और बड़ा होकर एक मुक्केबाज बॉक्सर बन जाता है और वह इस टॉक्सिक पितृसत्ता से लड़ता है और अपने पिता से भिड़ जाता है, जो कई सालों से उसकी मां पर अत्याचार कर रहे थे। एक्शन से भरपूर, यह फिल्म भावनात्मक कहानी के साथ दर्शकों के दिलों को निश्चितरूप से झकझोर रख देगी।

यह पोस्टर वास्तव में तनावपूर्ण पारिवारिक

समीकरण और एक बेटे के अपनी माँ के प्रति प्रबल प्रेम को दर्शाता है। दिल के आकार के बॉक्स दस्तानों के बीच में सेट की गई एक फटी हुई पारिवारिक तस्वीर को दिखाते हुए, कहानी के भीतर पनप रहे तूफान की ओर इशारा करता है। अक्षय भगवानजी और पिनाकिन भक्त द्वारा निर्मित इस फिल्म को मुख्य अभिनेता आकाश प्रताप सिंह ने लिखा है। 'मैं लड़ेगा' का निर्देशन गौरव राणा ने किया है। अक्षय भगवानजी और आकाश प्रताप सिंह द्वारा स्थापित कथाकार फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत और निर्मित, मैं लड़ेगा 26 अप्रैल

'साइलेंस 2' से मनोज बाजपेयी की नई झलक जारी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'साइलेंस 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह 2021 में आई फिल्म 'साइलेंस' की दूसरी किस्त है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे काफी पसंद किया गया। इसके बाद अब 'साइलेंस 2' मनोज की नई झलक सामने आई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। मनोज ACP अविनाश बन एक बार दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट रहे हैं। मनोज ने 'साइलेंस 2' से अपनी पहली झलक साझा करते हुए लिखा, 'हर बुरे के लिए हमेशा एक बदमाश पुलिस वाला होता है और वह है ACP अविनाश।'

'साइलेंस 2' का प्रीमियर 16 अप्रैल से OTT प्लेटफॉर्म ZEE5 पर होगा। फिल्म के पहले भाग को भी आप ZEE5 पर देख सकते हैं। 'साइलेंस 2' का निर्देशन अबन भरूचा देवहंस कर रहे हैं। इस फिल्म में प्राची देसाई, अर्जुन माथुर और बरखा सिंह जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आयुष्मान का नया गाना 'अंख दा तारा' हुआ रिलीज

लोकेश चंद्रा

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को अभिनय के अलावा गायिकी का भी खूब शौक है। प्रशंसक को भी उनके नए गानों का इंतजार रहता है। आयुष्मान कई फिल्मों में अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेर चुके हैं। अब वे अपना एक नया पंजाबी गाना लेकर आए हैं। 'अंख दा तारा' गाने को रिलीज किया गया है। इस गाने में टूटे दिल की दास्तान को एक अनोखे अंदाज में दिखाया गया है। गाने की कोरियोग्राफी बिल्कुल अलग है। इससे पहले आपने कभी आयुष्मान को इस अवतार में नहीं देखा होगा। गाने को गौरव दासगुप्ता ने कंपोज किया है और कुंवर जुनेजा ने इस गाने के बोल लिखे हैं। शरन रावत ने इस गाने को संगीत दिया है। आयुष्मान ने 'अंख दा तारा' गाना शेयर करते हुए लिखा, 'मेरा 'अंख दा तारा' तुम हो और अब यह तुम्हारा हुआ।' वही आयुष्मान ने 'मिट्टी दी खुशबू' और 'पानी दा रंग' जैसे कई हिट गाने गाए हैं।

उन्होंने हाल ही में देश के अग्रणी संगीत लेबल वार्नर म्यूजिक इंडिया से हाथ मिलाया है, जो दुनियाभर के दर्शकों और कलाकारों तक उनका संगीत पहुंचाएगा। वार्नर म्यूजिक इंडिया संगीत से जुड़ी एक मशहूर कंपनी है, जिससे दिलजीत दोसांझ से लेकर अरमान मलिक तक कई कलाकार जुड़े हैं।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में 5 न्याय, 25 गारंटी

400 रु. मजदूरी, गरीब महिलाओं को मिलेगा सालाना 1 लाख ● MSP कानून और जाति जनगणना का वादा

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को 48 पेज का घोषणा पत्र जारी किया। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में सोनिया, राहुल, खड़गे और मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष पी चिदंबरम ने 5 न्याय और 25 गारंटी का ऐलान किया। पार्टी के घोषणा पत्र में मजदूरी 400 रुपए दिन करने, गरीब परिवार की महिला को साल में 1 लाख रुपए देने, MSP को कानून बनाने और जाति जनगणना कराने का जिक्र है। कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में युवा, महिला, मजदूर और किसान पर फोकस किया है। इन सभी वर्गों के लिए अलग-अलग तरह की स्कीम्स का वादा किया गया है। पार्टी ने कहा है कि उसका घोषणा पत्र वर्क, वेल्थ और वेलफेयर पर आधारित है। यहां वर्क के मायने रोजगार, वेल्थ के मायने आमदनी और वेलफेयर के मायने सरकारी स्कीम्स के फायदे दिलाना है।

कांग्रेस पार्टी की 4 अन्य बड़ी घोषणाएं

- वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध। लोकसभा और विधानसभा चुनाव तय समय पर ही करवाएंगे।
- मतदान EVM के जरिए होंगे, लेकिन VVPAT की पर्ची से मिलान किया जाएगा।
- दसवीं अनुसूची में संशोधन का वादा। इसके तहत दलबदल करने पर विधानसभा या संसद की सदस्यता खुद समाप्त हो जाएगी।
- पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां कानून के अनुसार काम करेंगी। हर मामले को संसद या राज्य विधानमंडलों की निगरानी में लाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश मदरसा अधिनियम को रद्द करने वाले आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मदरसा अधिनियम को रद्द करने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने के लिए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम, 2004 को असंवैधानिक करार दिया था। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश (CJI) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि प्रथमदृष्टया हाई कोर्ट का यह मानना सही नहीं है कि परिषद की स्थापना से धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन होगा।

क्या है मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम?

इस कानून को 2004 में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में मदरसों की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बनाया था। इसका उद्देश्य मदरसों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना, मदरसों को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ना और मदरसा छात्रों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना था। इस कानून के बनने से पहले मदरसों का प्रबंधन शिक्षा विभाग करता था, जिसे बाद में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को सौंप दिया गया था।

उरी में LoC से घुसपैठ की कोशिश कर रहा 1 आतंकी ढेर

बारामूला। जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के उरी में शुक्रवार को नियंत्रण रेखा से घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक आतंकवादी को मार गिराया गया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि LoC से आतंकवादियों का एक समूह भारत में घुसने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसे वापस खदेड़ दिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी के बाद जंगल में चले तलाशी अभियान में एक आतंकवादी का शव मिला। सेना ने सतर्कता बढ़ा दी है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठ करने वाले आतंकियों और सुरक्षाबलों के जवानों के बीच काफी देर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, इसमें कोई जवान घायल नहीं हुआ है।

मेघालय में KSU सदस्यों की गिरफ्तारी का विरोध

मेघालय। बांग्लादेश की सीमा से सटे मेघालय के गांवों में प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। 27 मार्च को इचामती इलाके में दो लोगों की लाश मिली थी। दावा किया गया था कि CAA विरोध के दौरान इशान सिंह (24) और सुजीत दत्ता (35) की खासी स्टूडेंट यूनियन केएसयू (KSU) के सदस्यों ने हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में पीड़ित परिवारों की शिकायत के बाद KSU के दो लोगों को गिरफ्तार किया था। कोर्ट के आदेश पर दोनों को 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था।

रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट केस, NIA ने BJP कार्यकर्ता को हिरासत में लिया

बेंगलुरु। NIA ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट केस में BJP कार्यकर्ता साई प्रसाद को शुक्रवार (5 अप्रैल) को हिरासत में लिया। NIA का कहना है कि साई का कैफे ब्लास्ट के संदिग्धों से कनेक्शन है। बीती 1 मार्च को बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में ब्लास्ट हुआ था। इस धमाके में 9 लोग घायल हो गए थे। कैफे में टाइमर का उपयोग करके आईईडी बम धमाका किया गया था।

भोजशाला में जारी रहेगा ASI सर्वे

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

एजेंसी । नई दिल्ली

धार के भोजशाला में एएसआई का सर्वे अभी जारी रहेगा। सर्वे के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया है। याचिका कमाल मौला मस्जिद के मुतवल्ली (कार्यवाहक) काजी मोइनुद्दीन द्वारा दायर की गई थी। दरअसल, इंदौर हाई कोर्ट द्वारा एएसआई को भोजशाला के सर्वे के लिए दिए गए अंतरिम आदेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की गई थी।

वहीं, याचिकाकर्ता हाई कोर्ट में पक्षकार नहीं थे, ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सुनवाई से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने के लिए कहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भोजशाला के एएसआई सर्वे कराने पर रोक लगाने से इनकार कर चुका है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि उसकी इजाजत के बगैर सर्वे के नतीजों के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही कोर्ट ने भोजशाला के एएसआई सर्वे को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील की दलीलें सुनने के बाद केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एएसआई को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कोर्ट की इजाजत के बिना सर्वे रिपोर्ट में आने वाले नतीजे के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान ऐसी कोई खोदाई नहीं दी जाएगी जिससे कि परिसर का चरित्र या प्रकृति बदलती हो।

हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

8.86 एकड़ जमीन हड़पने का लगाया आरोप

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 600 करोड़ रुपये के जमीन घोटाले में अपनी चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आरोपी बनाया गया है और कहा गया है कि वे यह घोटाला करने वाले जमीन माफिया का हिस्सा थे और अपराध की आय में उनका भी हिस्सा था। चार्जशीट में उन पर अधिकारियों के साथ सांठगांठ के जरिए 8.86 एकड़ सरकारी जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया है।

सोरेन ने 2011 से रांची में कब्जाई हुई है जमीन- ED

ED ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि सोरेन ने 2011 से रांची के बारगैन इलाके में 8.86 एकड़ जमीन पर गैरकानूनी तरीके से कब्जा कर रखा है। ED के अनुसार, सोरेन ने अपने करीबी सहयोगियों रंजीत सिंह, हिलेरियस कच्छप और राजकुमार के जरिए जमीन पर कब्जा किया। चार्जशीट के मुताबिक, इस पूरे मामले में राजस्व अधिकारी भानू प्रताप प्रसाद की अहम भूमिका रही, जिन्हें हेमंत और अन्य 2 अधिकारियों के साथ मामले में आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट के अनुसार, भानू प्रताप एक सिंडिकेट का हिस्सा थे, जो जमीन हड़पने के लिए सरकारी जमीन के दस्तावेजों में बदलाव करता था।

डायरी और संदेशों से हुई भानू प्रताप को लेनदेन की पुष्टि

चार्जशीट में कहा गया कि डायरी और एक अन्य आरोपी के फोन में मिले संदेशों से भानू प्रताप से जुड़े वित्तीय लेनदेन की पुष्टि हुई है। 8.86 एकड़ जमीन की देखभाल करने वाले संतोष मुंडा ने भी इस जमीन का मालिक 'मिनिस्टर जी' को बताया है। ED के अनुसार, सोरेन ही ये 'मिनिस्टर जी' हैं। एक अन्य आरोपी बिनोद कुमार के फोन से मिली एक तस्वीर में जमीन पर एक बैंक हॉल बनाने की योजना का खुलासा हुआ है।

सोरेन ने जमीन के बारे में अनभिज्ञता व्यक्त की

ED को दिए बयान में सोरेन ने जमीन के बारे में अनभिज्ञता व्यक्त की और बिनोद के साथ अपने संवाद पर भी कुछ नहीं बोले। ED मामले में 33 गवाहों के बयान दर्ज कर चुकी है और हजारों पेज के दस्तावेज जब्त कर चुकी है।

मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किए गए थे सोरेन

बता दें, ED ने 31 जनवरी को सोरेन को गिरफ्तार किया था और वे अभी जेल में हैं। गिरफ्तारी से चंद मिनट पहले उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। ED सोरेन के दिल्ली स्थित घर से 36 लाख रुपये नकदी और एक BMW कार जब्त कर चुकी है। इसके अलावा रांची की जमीन को भी जब्त किया जा चुका है, जिसकी कीमत 31 करोड़ आंकी गई है। अभी तक कुल 256 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त हुई है।

वास्तु सहारे केसीआर

तेलंगाना चुनाव में हार के बाद पार्टी हेडक्वार्टर के मेन एंट्रेंस की दिशा बदली

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (BRS) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (KCR) ने अच्छी किस्मत के लिए वास्तु का सहारा लिया है। केसीआर के निर्देश पर हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित पार्टी हेडक्वार्टर तेलंगाना भवन के मेन एंट्रेंस गेट की दिशा बदल दी गई है। कंस्ट्रक्शन का काम जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 में मिली शर्मनाक हार के बाद केसीआर ने वास्तु बदलने का फैसला लिया है। लोकसभा चुनाव से पहले के. केशव राव और कादियाम श्रीहरि जैसे सीनियर नेताओं का पार्टी छोड़ना भी इसकी वजह बताई जा रही है। पार्टी के एक नेता ने बताया कि अभी तेलंगाना भवन का मेन गेट उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर है। भवन के सामने वीधी पोटू या टी-जंक्शन है, जहां तीन सड़कें एक पॉइंट पर मिलती हैं। वास्तु के हिसाब से यह निगेटिव एनर्जी खींचती है। निगेटिव एनर्जी को दूर करने के लिए बिल्डिंग के उत्तर-पूर्व की तरफ एक और गेट खोला जा रहा है। गाड़ियों के लिए नए एंट्रेंस पर एक रैम्प भी बनाया गया है।

अब माता-पिता का धर्म बताए बिना नहीं होगा बच्चे का बर्थ रजिस्ट्रेशन

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में बर्थ रजिस्ट्रेशन (जन्म पंजीकरण) का नया नियम लागू हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने की तरफ से जारी नए नियम के मुताबिक, अब बच्चे का बर्थ रजिस्ट्रेशन कराते समय पिता और माता दोनों को अपना-अपना धर्म भी रिकॉर्ड करवाना होगा। राज्य सरकारों को इन नियमों का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। पहले बर्थ रजिस्टर में केवल परिवार का धर्म दर्ज किया जाता था। अब अपडेट किए गए 'फॉर्म नंबर 1 बर्थ रिपोर्ट' में बच्चे के धर्म के साथ 'पिता का धर्म' और 'माता का धर्म' के लिए भी कॉलम शामिल किए गए हैं। यही नियम गोद लेने वाले माता-पिता के लिए भी लागू होगा। 11 अगस्त, 2023 को संसद से पारित जन्म एवं मृत्यु पंजीकर (संशोधन) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय स्तर पर जन्म और मृत्यु का डेटाबेस मेंटेन किया जा रहा है। इसका उपयोग राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी (NPR), मतदाता पंजीकरण, आधार नंबर, राशन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन जैसे दूसरे डेटाबेस को अपडेट करने के लिए किया जाएगा।

भारत ने पाकिस्तान में लक्षित हत्याएं करने के आरोपों को किया खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने भारत के पाकिस्तान में आतंकियों और खालिस्तानी नेताओं की लक्षित हत्याएं करने के आरोपों को खारिज किया है। एक विदेशी अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट में ये आरोप लगाए गए हैं। मंत्रालय ने इसे झूठा और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रोपेगेंडा बताया है। मंत्रालय ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बाहरी देशों में लक्षित हत्याएं करवाना भारत सरकार की नीति नहीं है।

क्या है मामला?

ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें भारत पर विदेश में ऐसे व्यक्तियों की हत्याएं करने का आरोप लगाया गया है, जिन्हें वह अपना विरोधी समझता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय खुफिया एजेंसी अनुसंधान और विश्लेषण विंग (RAW) ने 2019 पुलवामा हमले के बाद ऐसा करने का फैसला लिया और 2020 से 20 हत्याएं की जा चुकी हैं। पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू के आधार पर ये दावा किया गया है। अखबार को पाकिस्तान के जांचकर्ताओं ने बताया कि भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में अपनी स्लीप सेल बना रखी हैं और उनके जरिए लक्षित हत्याएं करवा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय अपराधियों या गरीब पाकिस्तानियों को करोड़ों रुपये देकर ये हत्याएं करवाई जाती हैं। 2023 में ये सेल अधिक सक्रिय रहीं, इसलिए हत्याओं में वृद्धि आई। उन्होंने भारत पर जिहादियों से हत्या करवाने का भी दावा किया, जिनसे विश्वास दिलाया गया कि वे काफिरों को मार रहे हैं।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव धांधली मामले के आरोपी अधिकारी अनिल मसीह ने मांगी माफी

एजेंसी । चंडीगढ़

चंडीगढ़ में मेयर चुनाव के दौरान धांधली के आरोपी पूर्व अधिकारी अनिल मसीह ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने माफी मांग ली। चंडीगढ़ में 30 जनवरी 2024 को हुए मेयर चुनाव में 8 मतों के अवैध घोषित करने के मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान उन्होंने माफी मांगी। फरवरी में इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व चुनाव अधिकारी अनिल मसीह के खिलाफ कोर्ट की अवमानना के मामले में नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने माना था कि उन्होंने जानबूझकर वोटों को अवैध किया था और बाद में कोर्ट में अपने झूठे बयान दर्ज कराए थे। अनिल मसीह ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी है। उन्होंने कोर्ट में कहा है कि इस मामले में उनसे गलती हुई है। चंडीगढ़ के बीजेपी मेयर के फैसले को कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है। वकील मुकुल रोहतगी ने कहा है कि हमने बिना शर्त माफी मांगी है। अब अनिल मसीह अपना पुराना हलफनामा वापस लेंगे और दूसरा हलफनामा देकर बिना शर्त माफी मांगेंगे। वरिष्ठ वकील सिंघवी ने कहा कि अगर वह बिना शर्त माफी मांगते हैं तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। नोटिस के जवाब में चुनाव अधिकारी अनिल मसीह ने पहले कोर्ट में जवाब दिया था कि जब वह आखिरी बार सुप्रीम कोर्ट में अपना बयान देने आए थे तो उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। वह चंडीगढ़ पीजीआई से अधिक मात्रा में ड्रग्स ले रहे थे। इस वजह से उन्हें नहीं पता कि उन्होंने क्या बयान दिया है। अनिल मसीह द्वारा आठ मतों को रद्द करने के मामले के बाद काफी सियासी विवाद पैदा हुआ था। इसे लेकर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला था और बाद में कोर्ट ने इस मतगणना के अवैध करार दिया था।

केजरीवाल की गिरफ्तारी बेबुनियाद: संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने दिल्ली आबकारी नीति मामले पर कहा कि केवल चार गवाहों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम लिया है। बिना किसी सबूत के ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया। देश को इस केस की सच्चाई जाननी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मामले में गवाह शरद रेड्डी ने बीजेपी क55 करोड़ की भेंट चढ़ाई है। पार्टी को चंदे में मिले उस तारीख को निकालकर देखा जा सकता है। आप नेता ने कहा कि आबकारी नीति मामले में ईडी-सीबीआई ने 456 गवाहों के बयान लिए हैं। इनमें से केवल चार गवाहों ने केजरीवाल का नाम लिया। ईडी के पहले के बयानों को छुपा लेती है। केजरीवाल की गिरफ्तारी पूरी तरह से बेबुनियाद है। उनकी गिरफ्तारी एक गहरी साजिश का हिस्सा है। सीबीआई और ईडी दोनों मिलाकर 50 हजार की चार्जशीट पेश हुई है। हाल ही में जमानत पर रिहा हुए आप नेता ने कहा कि कोर्ट का बहुत धन्यवाद है कि कोर्ट ने मुझे जमानत दी। इस मामले में एक दो बयान जो केजरीवाल के खिलाफ थे उन्हें कोर्ट के सामने रखा, लेकिन बाकी बयानों को जिक्र ही नहीं किया।

AAP की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को नोटिस जारी किया है। इसमें दिल्ली के प्रधान सचिव (वित्त) को कहा गया है कि पीने योग्य पानी की आपूर्ति करने वाली कंपनी को उसका भुगतान किया जाए। AAP सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है कि पानी की आपूर्ती करने वाले संस्था का भुगतान नहीं किया गया है।

दिल्ली आबकारी नीति: जेल में बंद बीआरएस नेता के.कविता से अब CBI करेगी पूछताछ

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली आबकारी नीति मामले में जेल में बंद बीआरएस नेता के.कविता से अब सीबीआई पूछताछ करेगी। शुक्रवार को सीबीआई ने के। कविता से पूछताछ करने और उनका बयान दर्ज करने को लेकर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अब सीबीआई को के.कविता से पूछताछ करने और उनका बयान दर्ज करने की अनुमति दे दी है। बीआरएस नेता के कविता फिलहाल दिल्ली शराब नीति से जुड़े ईडी के मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया भी जेल में बंद हैं। ये के।कविता, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया तीनों नेता तिहाड़ जेल में हैं। कोर्ट ने सीबीआई को के।कविता से पूछताछ की अनुमति देते हुए कहा है कि एजेंसी को संबंध एक दिन पहले जेल प्रशासन से अनुमति लेनी होगी।

अंतरिम जमानत की याचिका पर फैसला सुरक्षित

कोर्ट ने सीबीआई को के।कविता से पूछताछ की अनुमति ऐसे समय में दी है जब एक दिन पहले ही उनकी जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। गुरुवार राउज एवेन्यू कोर्ट ने कविता की अंतरिम जमानत की याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट अब सोमवार को के।कविता की अंतरिम जमानत की याचिका पर फैसला सुनाएगी। वहीं, उनकी नियमित जमानत की याचिका पर 20 अप्रैल की सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान ईडी ने के. कविता की जमानत याचिका का विरोध किया था।